राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,18जून–2021 वर्ष–4, अंक –145पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से जंग होगी और तेज, अगले 3 दिनों में केंद्र से राज्यों को मिलेंगी वैक्सीन की 56 लाख डोज

सीबीएसई ने बताई मूल्यांकन नीति, 31 जुलाई तक तैयार होगा परिणाम

नई दिल्ली। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कक्षा बारहवीं परीक्षा रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सीबीएसई की तरफ से अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने बताया कि कक्षा बारहवीं का परिणाम कक्षा दसवीं और ग्यारहवीं के 5 विषयों में से सबसे ज्यादा अंक पाने वाले 3 विषयों के अंकों के आधार पर तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही इसमें कक्षा 12वीं के यूनिट, टर्म और प्रैक्टिकल परीक्षाओं में प्राप्त अंकों को भी आधार बनाया जाएगा।

30:30:40 फॉर्मूले के पक्ष में है पैनल

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सीबीएसई द्वारा गठित समिति 30:30:40 फॉर्मूले के तहत कक्षा बारहवीं का परिणाम तैयार करने के पक्ष में है। यानी सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड के परिणामों के लिए कक्षा 10वीं के अंतिम परिणाम का 30 फीसदी + कक्षा 11वीं के अंतिम परिणाम का 30 फीसदी + कक्षा 12 प्री-बोर्ड परिणाम का 40 फीसदी लेगी। प्रत्येक स्कूल को तीनों परीक्षाओं में प्राप्त छात्रों के अंकों पर विचार करने के लिए एक परिणाम समिति बनानी होगी, जिसे सीबीएसई की मॉडरेशन कमेटी द्वारा जांचा जाएगा।

31 जुलाई तक आएगा परिणाम

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि सीबीएसई द्वारा 31 जुलाई तक कक्षा बारहवीं का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परिणाम घोषित होने के बाद विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के बारे में शिकायत को दूर करने के लिए एक तंत्र होना चाहिए। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि वह अधिकारियों से सलाह लेंगे।

परिणाम से असंतुष्ट होने पर दे सकेंगे परीक्षा

अटॉर्नर्नी जनरल ने यह भी कहा कि जो छात्र वर्तमान तंत्र के माध्यम से अंक / ग्रेडिंग से संतुष्ट नहीं हैं, वे शारीरिक परीक्षाओं में शामिल होकर अपने परिणाम को बेहतर कर सकते हैं या अपने अंकों में सुधार कर सकते हैं।

सुनवाई खत्म, सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बोर्ड अपनी योजनाओं पर आगे बढ़ सकते हैं।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सीबीएसई द्वारा गठित समिति 30:30:40 फॉर्मूले के तहत कक्षा बारहवीं का परिणाम तैयार करने के पक्ष में है। यानी सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड के परिणामों के लिए कक्षा 10वीं के अंतिम परिणाम का 30 फीसदी + कक्षा 11वीं के अंतिम परिणाम का 30 फीसदी + कक्षा 12 प्री-बोर्ड परिणाम का 40 फीसदी लेगी।

सीबीएसई परिणाम 30 जुलाई और सीआईएससीई 20 जुलाई तक घोषित किए जाएंगे। सीबीएसई पिछले तीन साल और सीआईएससीई छात्रों के पिछले छह साल के प्रदर्शन पर परिणाम तैयार करेगा। सीबीएसई और आईसीएसई अंतिम योजना को अधिसूचित करने के लिए स्वतंत्र हैं।

दिव्यांग बच्चों के लिए सरकार खोलने जा रही अर्ली इंटरवेंशन सेंटर्स

इलाज से लेकर शिक्षा तक मिलेंगी सभी सुविधाएं

नई दिल्ली। कुछ बच्चों में देखा गया है कि उम्र बढ़ने के साथ उनमें चलने, बोलने या सुनने समेत मानसिक विकास नहीं हो पाता है। ऐसे विशेष बच्चों के लिए केंद्र सरकार ने सात राष्ट्रीय संस्थानों और सात समग्र क्षेत्रीय केंद्रों में अर्ली इंटरवेंशन सेंटर खोले हैं, जिनका गुरुवार को केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत द्वारा उद्घाटन किया जाएगा। इन सेंटर्स पर दिव्यांग बच्चों का इलाज किया जाएगा। बता दें कि कुछ बच्चों में जन्म के बाद बोलने, सुनने, चलने समेत कई तरह के मानसिक विकास जैसा होना चाहिए, वैसा नहीं हो पाता है। ऐसे बच्चे तीन से 10 फीसद ही होते हैं। कुछ नवजात बच्चों में चिकित्सीय जांच के बाद ही इसका पता चल जाता है लेकिन ज्यादातर में माता-पिता को बच्चों की उम्र बढ़ने के बाद ही इस स्थिति की जानकारी हो पाती है। ऐसे में प्राइवेट चिकित्सा संस्थानों में बच्चों के इलाज में काफी खर्च आता है और हर कोई इलाज एवं प्रशिक्षण का खर्च वहन नहीं कर पाता है। ऐसे में केंद्र सरकार ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में 14 क्रॉस-डिसएबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर खोले हैं, जो सात राष्ट्रीय संस्थानों और सात समग्र क्षेत्रीय केंद्रों में स्थित हैं। केंद्रीय मंत्री आज इनका उद्घाटन करेंगे। वर्तमान में दिव्यांग बच्चों (0-6 वर्ष) या जिन

बच्चों में विकास देरी से होता है, उनकी पुनर्वास देखभाल और इलाज के लिए डीईपीडब्ल्यूडी ने पायलट आधार पर 14 क्रॉस डिसेबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर स्थापित करने की पहल की है। पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, देहरादून, सिकंदराबाद, कोलकाता, कटक और चेन्नई में सात राष्ट्रीय संस्थानों और सुंदरनगर, लखनऊ, भोपाल, राजनांदगांव, पटना, नेल्लोर और कोझीकोड में सात समग्र क्षेत्रीय केंद्रों में सेंटर्स खोले जा रहे हैं।

कांग्रेस में थमी नहीं रार, अब बीजेपी में शुरू हुई तकरार

नेता बोले- वसुंधरा बिन नहीं आएगी सत्ता

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस की रार अभी थमी भी नहीं है कि अब भाजपा में दरार की खबरें हैं। भाजपा प्रदेश मुख्यालय के बाहर लगे होर्डिंग में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की फोटो नहीं लगाने के बाद से जुबानी जंग शुरू हो गई है। यह जुबानी जंग भाजपा नेता और पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के एक बयान के बाद शुरू हुई है, जिसकी राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। गुंजल ने एक इंटरव्यू में कहा मैं अपने अनुभव से कह सकता हूं कि राजस्थान में वसुंधरा राजे जितना बड़ा कद और उतना ही बड़ा मन किसी और नेता का नहीं है। मैं उनके विरोध में भी खड़ा रहा और अब उनके साथ हूं, दोनों अनुभव से कह रहा हूं। प्रहलाद गुंजल ने वसुंधरा राजे का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें आगे रखे बिना राजस्थान में भाजपा सत्ता में नहीं आ सकती। उन्होंने कहा वसुंधरा राजे सर्वमान्य नेता हैं। राजस्थान में दूसरा ऐसा कोई नेता नहीं है, जिसके दम पर सत्ता मिल जाए। गुंजन ने कहा कि आज चाहे वसुंधरा राजे हों, सतीश पूनिया

हों या अन्य नेता हों, सबका मकसद है कि राजस्थान में भाजपा का राज आए। 2018 के चुनाव से पहले भी यह चर्चा हमारे ही लोगों ने चलाई थी कि मुख्यमंत्री का चेहरा बदल दीजिए राजस्थान में भाजपा रिपीट हो जाएगी। गुंजल ने कहा भाजपा के अभी जितने मुख्यमंत्री के दावेदार हैं, उनकी पहचान मेरे जितनी है और कइयों की तो कम ही है। हम जैसे लोगों को आगे करने से भाजपा सत्ता में नहीं आ सकती। उन्होंने कहा भैरो सिंह जैसे कद्दावर नेता भी राजस्थान में कभी पूर्ण बहुमत नहीं ला पाए थे, लेकिन वसुंधरा राजे दो-दो बार प्रचंड बहुमत लेकर आईं, इस बात को नजरंअदाज नहीं किया जा सकत।

एक बार बीजेपी छोड़ चुके हैं प्रहलाद गुंजल-प्रहलाद गुंजल फायरब्रांड नेता माने जाते हैं। गुर्जर आरक्षण के मसले पर गुंजल ने भाजपा छोड़कर वसुंधरा राजे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। इसके बाद वह फिर भाजपा में आए, अब वे वसुंधरा राजे खेमे में हैं। 2013 के विधानसभा चुनाव में गुंजल ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव हरवाया था। साल 2018 के चुनाव में गुंजल धारीवाल से हार गए थे।

बिहार में खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंडक नदी, 9 जिलों में बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली। नेपाल के तराई और पहाड़ी इलाकों में पिछले दो दिन से हो रही तेज बारिश का असर बिहार के सीमावर्ती इलाकों में देखने को मिल रहा है। यहां गंडक समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गोपालगंज जिले के छह प्रखंडों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बांध के नीचे बसे ज्यादातर गांव में बाढ़ का पानी घुसने की खबर है। नदी के तट पर बसे रहवासी ऊंचे स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। मौसम विभाग ने इन इलाकों में हाई अलर्ट जारी किया है। पटना समेत 7 जिलों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। इधर, IMD ने बताया कि गुरुवार को देश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, यूपी, झारखंड, मध्यप्रदेश, गोवा और कर्नाटक में बारिश होने की संभावना है। राजधानी दिल्ली में अगले कुछ दिन हल्की बारिश होने का अनुमान है। मानसून की बारिश के लिए 7 से 10 दिन का इंतजार करना पड़ेगा। पछुआ हवाओं के कारण उत्तर-पश्चिम भारत में मानसून पहुंचने की गति प्रभावित हुई है। बिहार में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। गंडक नदी में पानी बढ़ने से पूर्वी और पश्चिमी चंपारण के साथ ही सारण के कई इलाकों में पानी घुस गया। पूर्वी-पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज जिलों में भारी बारिश और पूरे बिहार में 18 जून तक वज्रपात का अलर्ट भी जारी किया है। फिलहाल, राज्य के 38 जिलों में बारिश जारी है। पटना में बुधवार दोपहर से रुक-रुककर बारिश हो रही है। राज्य के 7 जिलों को रेड अलर्ट पर रखा है। इनमें पटना, गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, बेगूसराय और लखीसराय शामिल है। इधर, बेतिया के दर्जनों गांव में पानी घुस गया है। बेतिया में गंडक, बूढ़ी गंडक, हरबोड़ा, बलोर, मसान, रामरेखा, कोहड़ा, कठहा, गांगुली, दोहरम और पंड़ई आदि नदियों में बाढ़ आ गई।

कोवैक्सीन को जल्द मिलेगी वैश्विक मंजूरी ?

23 जून को भारत बायोटेक और डब्ल्यूएचओ की बैठक

नई दिल्ली। इंडिया की देसी वैक्सीन कोवैक्सीन को वैश्विक मंजूरी दिलाने के लिए भारत बायोटेक ने कवायद तेज कर दी है। हैदराबाद स्थित वैक्सीन निर्माता कंपनी भारत बायोटेक अगले बुधवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ अपनी प्री-सबमिशन मीटिंग करेगी। यानी 23 जून को कोवैक्सीन की मंजूरी के लिए यह बैठक होगी। दरअसल, देसी फार्मास्युटिकल कंपनी भारत बायोटेक को कुछ विदेशी देशों में कोवैक्सिन को मंजूरी मिलने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इसमें फेज तीन के ट्रायल डेटा की कमी है, जो डब्ल्यूएचओ के लिए वैक्सीन निर्यात करने और इसे बहुप्रतीक्षित कोरोना वायरस

वैक्सीन पासपोर्ट का हिस्सा बनाने के लिए आवश्यक है। डब्ल्यूएचओ की ओर से इस वैक्सीन को मंजूरी मिलने का मतलब है कि कोवैक्सीन का दायरा दुनियाभर में बढ़ जाएगा। वहीं, भारत बायोटेक ने बताया है कि वह जुलाई के दौरान कोवैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल डेटा को सार्वजनिक करेगी, जिसके बाद कंपनी भारत में कोविड -19 वैक्सीन के पूर्ण लाइसेंस के लिए आवेदन करेगी। फिलहाल भारत में इसके आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिली हुई है।

इससे पहले भारत बायोटेक ने कहा था कि उसे कोरोना के अपने टीके कोवैक्सीन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुलाई-सितंबर तक इमरजेंसी इस्तेमाल मंजूरी (ईयूए) मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि कोवैक्सीन के लिए 60 से अधिक देशों में नियामकीय मंजूरी प्रक्रिया में है, जिसमें अमेरिका, ब्राजील, हंगरी जैसे देश शामिल हैं। बयान में कंपनी ने कहा था कि ईयूए के लिए आवेदन डब्ल्यूएचओ-जिनेवा को सौंप दिया गया है, नियामकीय मंजूरी जुलाई-सितंबर 2021 तक मिलने की उम्मीद है। टीका निर्माता ने कहा कि इसे 13 देशों में ईयूए हासिल हो गया है और अन्य कई अन्य देशों में मिलने की उम्मीद है। अधिकतर देशों ने कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण की अनुशंसा की है। इधर, हाल ही में भारत बायोटेक की कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सीन को झटका देते हुए अमेरिकी खाद्य एवं दवा नियामक ने इसके अमेरिकी साझेदार ओक्यूजेन इंक को सलाह दी है कि वह भारतीय वैक्सीन के इस्तेमाल की मंजूरी हासिल करने के लिए अतिरिक्त आंकड़ों के साथ जैविक लाइसेंस आवेदन (बीएलए) मार्ग से अनुरोध करे। ऐसे में कोवैक्सीन को अमेरिकी मंजूरी मिलने में थोड़ा और वक्त लग सकता है।

गाजियाबाद में बुजुर्ग से पिटाई का मामला: स्वरा भास्कर और ट्विटर के इंडिया हेड के खिलाफ अब दिल्ली में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बुजुर्ग की पिटाई का वीडियो वायरल होने का विवाद बढ़ता ही जा रहा है। बुजुर्ग की पिटाई का वीडियो वायरल होने के मामले में एक्ट्रेस स्वरा भास्कर, अरफा खानम शेरवानी, ट्विटर इंडिया के आसिफ खान और ट्विटर इंडिया के प्रमुख मनीष माहेश्वरी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। यह शिकायत दिल्ली में दर्ज की गई है। अधिवक्ता अमित आचार्य ने दिल्ली के तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल, फ्रेश शिकायत के आधार पर अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। हालांकि, इस मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

इससे पहले गाजियाबाद के लोनी से भाजपा के विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने राहुल गांधी, असदुद्दीन ओवैसी और स?वरा भास?कर के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की मांग की। बुजुर्ग की पिटाई का वीडियो वायरल होने के मामले में उन?होंने लोनी बार्डर थाने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी और बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। विधायक ने तीनों पर इस भ्रामक पोस्ट को शेयर करने का आरोप लगाया है। विधायक ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र लोनी में एक बुजुर्ग की दाढ़ी काटने और मारपीट करने का वीडियो

साजिशन वायरल किया गया। यह घटना 5 जून 2021 की है। इस मामले में पुलिस ने जांच की और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज भी कर लिया था। इसके बाद इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी और बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपने अधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर भ्रम फैलाने की कोशिश की। इस ट्वीट में घटना को भगवान श्रीराम से जोड़ते हुए उनके भक्तों को दोषी ठहराया गया। जबकि घटना में मुस्लिम युवक भी शामिल थे।

वहीं, बुधवार को गाजियाबाद पुलिस ने बुजुर्ग के साथ मारपीट और अभद्रता किए जाने का वीडियो वायरल होने पर बड़ा एक्शन लेते हुए नौ लोगों पर एफआईआर दर्ज की थी, जिनमें दो कांग्रेस नेता और ट्विटर इंडिया भी शामिल हैं। इनपर लोनी में हुई घटना को गलत तरीके से सांप्रदायिक रंग देने की वजह से यह कार्रवाई की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक बुजुर्ग मुस्लिम को पीटा गया और उसकी दाढ़ी काट दी गई। एफआईआर में गाजियाबाद पुलिस ने कहा है, लोनी में हुई घटना का कोई सांप्रदायिक एंगल नहीं है जिसमें एक आदमी की पिटाई की गई और दाढ़ी काटी गई। निम्नलिखित संस्थाएं- द वायर, राणा अय्यूब, मोहम्मद जुबैर, डॉ शमा मोहम्मद, सबा नकवी, मस्कूर उस्मानी, स्लैमन निजामी ने इस तथ्य की जांच किए बिना अचानक ट्विटर पर घटना को सांप्रदायिक रंग देना शुरू कर दिया और शांति भंग करने के लिए संदेश फैलाना शुरू किया। साथ ही धार्मिक समुदायों के बीच मतभेद पैदा किए। ट्विटर ने वीडियो को वायरल होने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मनमानी के खिलाफ

सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी के प्रति भारत सरकार की दृढ़ता की जितनी तारीफ की जाए कम है। किसी भी देश में सोशल मीडिया कंपनियों को इतनी आजादी नहीं है, जितनी उन्हें भारत में रही है। ऐसे में, सोशल मीडिया कंपनियों को पूरी सतर्कता के साथ सरकार के नियम-कायदे के हिसाब से चलना चाहिए, लेकिन यह अफसोस की बात है, ये कंपनियां मनमानी छोड़ने का नाम नहीं ले रही हैं। जब केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर के खिलाफ कड़े कदम उठाए, तभी कंपनी ने सरकार को अपनी ओर से नियुक्त किए अंतरिम अनुपालन अधिकारी के बारे में जानकारी दी है। सोशल मीडिया के नए दिशा-निर्देश को लेकर छिड़े विवाद के समाधान की दिशा में ट्विटर को बढ़ना ही होगा। अगर वह विवाद बढ़ाने की कोशिश करेगी, तो उसके खिलाफ सरकार का शिकंजा और कसता जाएगा। 26 मई से लागू दिशा-निर्देश का अनुपालन न होने के चलते ही ट्विटर को कानूनी कार्रवाई से मिली सुरक्षा खत्म कर दी गई है। यही कारण है कि गाजियाबाद में एक बुजुर्ग की कथित पिटाई के वीडियो के मामले में दर्ज एफआईआर में ट्विटर का नाम भी शामिल कर दिया गया है। यह एक शुरुआत है, ट्विटर को हर हाल में पूरी जिम्मेदारी का परिचय देना होगा। ऐसा हो नहीं सकता कि ट्विटर के मंच पर जिन चीजों का प्रसार हो, उनकी जवाबदेही से वह बच जाए। अगर आईटी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यह कहा है कि ट्विटर जान-बूझकर नियमों के पालन से बचता रहा है, तो कंपनी को सावधान हो जाना चाहिए। ट्विटर भारत में बहुत लोकप्रिय व उपयोगी सोशल मंच बन चुका है, इस पर मंत्री और अधिकारी भी आधिकारिक रूप से सूचनाएं जारी करते रहते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि ट्विटर को अपनी इस ताकत का दुरुपयोग करने दिया जाए। सरकार का कहना है, सोशल मीडिया कंपनी को नए नियमों के अनुपालन के लिए कई मौके दिए गए, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। एक गौर करने की बात यह भी है कि ट्विटर को भारत सरकार के निर्देशों के पालन में तेजी दिखानी चाहिए। उसे विचार करने या इंतजार करने की मुद्रा में ज्यादा नहीं दिखना चाहिए। यह नई बात नहीं है, ये दिग्गज सोशल मीडिया कंपनियां हर देश में अलग-अलग तरह से व्यवहार करती रही हैं। भारत में भी इनके काम करने की गति कुछ धीमी या अलहदा रही है। आईटी क्षेत्र के विशेषज्ञों को इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। क्या ये कंपनियां भारत की उदारता का अधिकतम लाभ लेना चाहती हैं? क्या ये कंपनियां भारतीयों के अधिकार और सम्मान की रक्षा के प्रति पूरी तरह सचेत हैं? क्या इन कंपनियों की सच्चाई जांचने की नीति पक्षपाती रही है? क्या फेक न्यूज के खिलाफ ट्विटर की नीतियां कमजोर रही हैं? यदि यह कंपनी पहले से ही सचेत होती, तो यह नौबत ही नहीं आती। अब होगा क्या? जब भी कोई गलत या प्रतिकूल खबर ट्विटर पर चलेगी, तब ट्विटर को भी दोषी ठहराया जा सकेगा। उसके अधिकारियों पर कार्रवाई हो सकेगी। अत- ट्विटर या सोशल मीडिया की किसी भी कंपनी को सावधान रहना चाहिए, ताकि भारत जैसे उदार या लचीले देश में अब तक मिलती रही सुरक्षा उन्हें सतत जारी रहे। यह समय विवाद बढ़ाने का नहीं, बल्कि समाधान तलाशने का है, ताकि लोगों को यह एहसास हो कि इन कंपनियों को भारत की परवाह है।

'आज के ट्वीट

प्रैक्टिकल

ओवैसी ने सच ही तो कहा था.. ओवैशी ने ट्रिपल तलाक वाली बहस में संसद में कहा था - हमारे इस्लाम में शादी-निकाह नहीं बल्कि एक कॉन्ट्रैक्ट होता है ... नुसरत जहाँ ने वही बात प्रैक्टिकल करके समझाई है।

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

जी-7 घोषणापत्र में भारतीय विचारों का समावेश

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

जी 7 शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री ने कोरोना आपदा प्रबंधन, वैक्सीनेशन, जलवायु व पर्यावरण संरक्षण, आतंकवाद आदि पर उपयोगी विचार प्रस्तुत किये। इनका महत्व इसलिए था क्योंकि इसमें पूरी मानवता के कल्याण का भारतीय चिंतन शामिल था। मोदी ने संकट के समय सभी देशों से एकजुट प्रयास का आह्वान किया। मोदी ने चीन का नाम नहीं लिया लेकिन विस्तारवादी और अमानवीय दृष्टिकोण रखने वाली ताकतों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता बताई थी। शिखर सम्मेलन के साझा घोषणापत्र में इन सभी बातों का समावेश किया गया। वैक्सीनेशन, बड़ी कंपनियों का टैक्स भुगतान करना, जलवायु परिवर्तन के समाधान जैसे मुद्दों पर सहमति व्यक्त की गई। कोरोना महामारी से हुए नुकसान को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर दिया। वैश्विक स्वास्थ्य,हरित ऊर्जा, आधारभूत संरचना और शिक्षा के लिए मदद करने का भी वादा किया गया। कोरोना से जूझ रहे देशों को एक अरब वैक्सीन डोज उपलब्ध कराई जाएगी। गरीब देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद के लिए सौ अरब डॉलर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही चीन पर दबाव बनाया जाएगा। कोरोना की उत्पत्ति के संबन्ध में जांच होगी। कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवस्था को कमजोर करने वाली बाजार विरोधी नीतियों पर नियंत्रण किया जाएगा। जी-7 संगठन में दुनिया के विकसित देश शामिल हैं। भारत, चीन और रूस बड़ी अर्थव्यवस्था के देश है। किंतु ये देश जी 7 सदस्यता हेतु निर्धारित बिंदुओं को पूरा नहीं करते। इसके बावजूद इसके शिखर सम्मेलन में चीन व रूस को दरकिनार कर भारत को विशेष रूप में आमंत्रित किया गया। ब्रिटेन की अध्यक्षता में यह सम्मेलन होना था। नरेंद्र मोदी को आमंत्रण देने के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री की भारत यात्रा प्रस्तावित थी लेकिन कोरोना की दूसरी लहर के कारण यह यात्रा स्थगित की गई थी। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया। इतना ही नहीं इस वर्चुअल बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने वाले अनेक समझौते भी हुए थे। यहां कहने का मतलब यह कि जी 7 भारत को अपना स्वभाविक सहयोगी मानता है। जबकि चीन व रूस उनकी सूची के बाहर है। इसका बड़ा कारण यह है कि भारत विश्व शांति, सहयोग व सौहार्द के लिए प्रतिबद्ध रहा है। कोरोना की पहली लहर में भारत ने विकसित देशों की सहायता की थी। आतंकवाद को वैश्विक खतरा मानते हुए भारत ने सदैव इसका विरोध किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में आतंकवाद के विरुद्ध साझा रणनीति बनाने का प्रस्ताव किया था। जी 7 देश भी इस प्रस्ताव की उपयोगिता समझते है। इसके अलावा जलवायु व पर्यावरण के संबन्ध में भी भारत विश्व कल्याण के अनुरूप प्रस्ताव करता रहा है। विगत एक वर्ष कोरोना की पहली दूसरी लहर ने दुनिया परेशान किया है। जी 7 का शिखर सम्मेलन अभूतपूर्व संकट के दौरान हुआ। दुनिया में कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप है। इन दोनों कोरोना लहरों के सामने विकसित देश भी लाचार नजर आए। जबकि वहां की स्वास्थ्य सेवाएं बहुत सुदृढ़ हैं। लेकिन वहां की सरकारें महामारी का ठीक से सामना करने में असमर्थ रही। कोरोना की पहली लहर के दौरान भारत ने विकसित देशों को स्वास्थ्य संबन्धी सुविधा व सामग्री उपलब्ध कराई थी। दूसरी लहर में ऑक्सीजन की मांग चार से पांच गुना बढ़ी तब विकसित देश भारत की सहायता के लिए आगे बढ़े। अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडेन ने कहा था कि अमेरिका संकट के समय भारत द्वारा दी गई सहायता को कभी भूल नहीं सकता। इसलिए भारत को ऑक्सीजन व वैक्सीन हेतु कच्चे माल की पर्याप्त आपूर्ति की गई। परस्पर सहयोग के इस अध्याय का एक बड़ा सन्देश भी है। वैश्विक महामारी के दौरान विकसित से लेकर अन्य सभी देशों को एक-दूसरे के सहयोग की आवश्यकता पड़ सकती है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कोरोना के दौरान हुए अनुभव को रेखांकित किया। कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु दुनिया के देशों को साझा प्रयास करने चाहिए। सभी जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। नरेंद्र मोदी ने वन अर्थ वन हेल्थ का आह्वान किया। मोदी ने जी-7 के बिल्डिंग बैक स्ट्रांगर हेल्थ संपर्क सत्र को संबोधित किया। महामारी से निपटने के लिए भारत के समग्र समाज के दृष्टिकोण को रेखांकित किया और सरकार, उद्योग और सिविल सोसाइटी के प्रत्येक स्तर पर प्रयासों में तालमेल के बारे में बताया। उन्होंने भविष्य की महामारी को रोकने के लिए वैश्विक एकजुटता, नेतृत्व और तालमेल को अपरिहार्य बताया। चुनौती से निपटने के लिए लोकतांत्रिक और पारदर्शी समाजों की विशेष जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने संपर्क का पता लगाने और टीकों के प्रबंधन के लिए ओपन सोर्स डिजिटल प्रणाली के सफल इस्तेमाल के बारे में भी बताया और दूसरे विकासशील देशों के साथ अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने की इच्छा प्रकट की। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मौरिसन ने सम्मेलन में नरेंद्र मोदी से इस मुद्दे पर वर्चुअल बात की और प्रस्ताव को डब्ल्यूटीओ में अपने देश का मजबूत समर्थन देने का वादा किया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों ने भारत समेत दूसरे देशों को वैक्सीन के कच्चे माल की आपूर्ति में छूट देने का प्रस्ताव किया। उन्होंने कच्चे माल से बैन हटाने की मांग की और कहा कि वैक्सीन बनाने वाले देशों को इसके लिए कच्चा माल मिलना चाहिए। जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और कुछ अन्य देशों ने भी कोविड टीकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए पेटेंट पर छूट के मोदी के आह्वान का भी समर्थन किया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने विश्व व्यापार संगठन में यह प्रस्ताव रखा है। सम्मेलन में कोरोना वायरस, फ्री ट्रेड और पर्यावरण पर विस्तार से चर्चा हुई। ज्यादा फोकस इसी बात पर रहा कि कैसे दुनिया को कोरोना महामारी से मुक्त करना है। भारत जी-7 का सदस्य नहीं है। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका को भी इसमें आमंत्रित किया गया। नरेंद्र मोदी ने कोविड संबंधी प्रौद्योगिकियों पर पेटेंट छूट के संबंध में भारत, दक्षिण अफ्रीका द्वारा डब्ल्यूटीओ में दिए गए प्रस्ताव के लिए जी-7 के समर्थन का भी आह्वान किया। जी-7 में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका शामिल हैं। मुक्त समाज एवं मुक्त अर्थव्यवस्था सत्र में नरेंद्र मोदी एक प्रमुख वक्ता के तौर पर शामिल हुए। इसमें उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था, विचारों की उदारता व स्वतंत्रता के प्रति भारत की पारंपरिक प्रतिबद्धता के बारे में बताया और कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत सत्तावादी व्यवस्था, आतंकवाद व हिंसक अतिवाद, गलत सूचना के प्रसार और आर्थि क दबाव की रणनीति से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए जी-7 और मेहमान देशों का प्राकृतिक तौर पर मित्र राष्ट्र है। कोरोना संकट पर चर्चा के दौरान चीन भी निशाने पर रहा। बैठक में कोरोना महामारी के खिलाफ एक वैश्विक रणनीति पर सहमति बनी। इसके साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार विमर्श किया गया। सामूहिक तौर पर हिंद प्रशांत क्षेत्र को दुनिया के सभी देशों के लिए एक समान अवसर वाला बनाने पर जोर दिया गया है। साथ ही इन देशों ने यह कहा है कि इस उद्देश्य के लिए इस क्षेत्र के दूसरे देशों के साथ साझेदारी व सहयोग किया जाएगा। जी 7 शिखर सम्मेलन में ग्यारह देश शामिल हुए। इनमें चार देश भारत अमेरिका, आस्ट्रेलिया व जापान क्वाड गठबंधन में शामिल हैं। इनके बीच भी इस दौरान विचार विमर्श किया गया। इसमें कुछ दूसरे बड़े लोकतांत्रिक देशों को शामिल करने को लेकर पहले से ही संबंधित देशों में बात चल रही है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

साहस का शिक्षण

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्राचीन काल की ऋषि परम्परा के शिक्षण में ऐसी व्यवस्था रहती थी कि मनोभूमि को सबल, काया को समर्थ और सुदृढ़ बनाने के लिए वे सारे प्रयोग किए जाए जो अभीष्ट उद्देश्य की पूर्ति में सहायक हों। गुरुकुलों में ऐसा ही शिक्षण चलता था। तप और तितिक्षा का कठोर अभ्यास शिक्षार्थी से कराया जाता था ताकि भावी जीवन में आने वाले किसी भी संकट-चुनौती का सामना करने में वह समर्थ हो सके। गुरु कुलों में प्रवेश लेने तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों को अनुकूलताओं में नहीं, प्रतिकूलताओं में जीना सिखाया जाता था। उस शिक्षण प्रक्रिया का परिणाम यह होता था कि विद्यालय से निकलने वाला छात्र हर दृष्टि से समर्थ और सक्षम होता था। जीवन में आने वाले अवरोध उन्हें विचलित नहीं कर पाते थे। परिस्थितियां बदली और साथ में वह शिक्षण पद्धति भी। मनुष्य के चिन्तन में भारी हेर-फेर आया। यह मान्यता बनती चली गई कि अनुकूलताओं में ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास सम्भव है। फलत- आरम्भ से ही बालकों को अभिभावक हर प्रकार की सुविधाएं देने का प्रयास करते हैं। उन्हें तप तितीक्षामय जीवन का अभ्यास नहीं कराया जाता। यही कारण है कि जब कभी भी प्रतिकूलताएं प्रस्तुत होती हैं ऐसे बालक उनका सामना करने में असमर्थ सिद्ध होते हैं। कुछ विद्यालय आज भी ऐसे हैं, जो जीवट को प्रखर बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हैं। उदाहरणार्थ 'जंगल एण्ड स्नो सरवाइल स्कूल इंडियन एयर फोर्स' की ओर से भेजे गये वायुयान चालकों को ऐसी ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे हर तरह के संकटों का सामना करने में सक्षम हो सकें। हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार शिक्षण की प्रणाली अत्यन्त रोमांचक होती है। सामान्यतया विमान चालकों को हर तरह के क्षेत्र से होकर उड़ान भरनी होती है। हिमालय की ऊंचाई पर स्थित सघन वनों अथवा हिमाच्छादित प्रदेशों अथवा मरुस्थलों से होकर भी चालकों को गुजरना पड़ता है। यदि इन दुर्गम प्रदेशों में कोई दुर्घटना घटती है तो किन-किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इसका शिक्षण एवं अभ्यास चालकों को कराया जाता है। इन स्थानों पर बिना किसी बाह्य सहायता के उसे किस तरह प्रतिकूलताओं से जूझते हुए बाहर निकलना चाहिये इसका प्रशिक्षण दिया जाता है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

काश प्रकृति के इशारों को समझ पाते

ऋतुपर्ण दवे

एक मानसून ही तो है जिसको लेकर हर कहीं कोई न कोई उत्सुकता होती है। मौजूदा कोविड काल छोड़ दें तो यही देश में मई से लेकर जुलाई-अगस्त तक सबसे ज्यादा चर्चा और सुर्खियों में होता है। फिलहाल मानसून ही दूसरा विषय है क्योंकि वक्त से पहले जो आ गया इसीलिए सारे देश की निगाहें हैं। मानसून अरबी शब्द मावसिम यानी मौसम से बना है जिसे पावस भी कहते हैं। पुर्तगाली में मानसैओ, डच में मॉनसन जबकि हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी में मानसून कहलाता है। मानसून हिन्द महासागर तथा अरब सागर की ओर से भारतीय दक्षिण-पश्चिम तट पर आनी वाली हवाएं हैं जिससे भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश यानी दक्षिणी एशिया रीजन में जून से सितंबर तक बरसात होती है। गर्मियों में जब सूर्य हिन्द महासागर में विषुवत रेखा यानी इक्वेटर के ठीक ऊपर होता है तब समुद्र की सतह गर्म होने लगती है, जिससे तापमान 30 डिग्री तक पहुंच जाता है। इसी दौरान धरती का तापमान भी 45-46 डिग्री तक पहुंच जाता है। मानसूनी हवाएं हिन्द महासागर के दक्षिणी हिस्से में सक्रिय होकर एक-दूसरे को काटते, टकराते हुए इक्वेटर पार कर एशिया की तरफ बढ़ती हैं। इससे समुद्र के ऊपर बादल बनने लगते हैं। यही हवाएं और बादल बारिश करती हुई बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का रुख करती हैं। चूंकि पूरे देश का पारा बढ़ा हुआ होता है इसलिए ये हवाएं समुद्री पानी से भाप सोखती हुई धरती पर आकर ऊपर उठती हैं तथा बारिश करते हुए आगे बढ़ती जाती हैं।

बंगाल की खाड़ी और अरब सागर पहुंचते ही ये मानसूनी हवाएं दो भागों में बंट जाती हैं। एक मुंबई, गुजरात, राजस्थान होते हुए तो दूसरी बंगाल की खाड़ी से प. बंगाल, बिहार, पूर्वोत्तर होते हए हिमालय से टकराकर गंगीय क्षेत्रों की ओर मुड़ जाती है। यहीं मानसून का एक भारतीय समय चक्र भी बनता है। यह बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार द्वीप समूह होकर 1 जून तक केरल पहुंचता है. जबकि अरब सागर से आने वाली हवाएं उत्तर की ओर बढ़ते हुए 10 जून तक मुंबई पहुंचती हैं। मानसून जून के पहले सप्ताह तक असम पहुंचकर हिमालय से टकराने के बाद पश्चिम की ओर मुड़ 7 जून के आसपास कोलकाता पहुंचता है। मध्य जून तक अरब सागर से आने वाली हवाएं सौराष्ट्र, कच्छ और मध्य भारत के प्रदेशों में फैल जाती हैं। इसके बाद बंगाल की खाड़ी और अरब सागर हवाएं फिर एक साथ बहने लगती हैं जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, पूर्वी राजस्थान में 1 जुलाई तक बारिश शुरू हो जाती है। दिल्ली को दोनों मानसूनी हवाओं का फायदा मिलता है जिसकी पहली बौछार कभी पूर्वी दिशा से आकर बंगाल की खाड़ी के ऊपर से बहने वाली हवा का हिस्सा बनती है तो कभी पहली बौछार अरब सागर के ऊपर से बहने वाली हवा का हिस्सा बनकर दक्षिण दिशा से आती है। मध्य जुलाई तक मानसून कश्मीर सहित देश के बाकी बचे हिस्सों में भी फैल जाता है और जुलाई के पहले सप्ताह तक लगभग पूरे देश में तेज बारिश शुरू हो जाती है। सर्दियों में अधिक ठंड पड़ते ही यही हवाएं शुष्क उत्तर-पूर्वी मानसून बनकर बहती हैं जिनकी दिशा गर्मियों की मानसूनी हवाओं के उलट होती है। भारत और एशियाई भूभाग के स्थल और जल भागों में जनवरी की शुरुआत तक तापमान कम होता है। इस समय उच्च दाब की एक पट्टी पश्चिम में भू-मध्यसागर और मध्य एशिया से लेकर उत्तर-पूर्वी चीन तक के भू-भाग में फैली होती है। इससे साफ आकाश, सुहाना मौसम, आर्द्रता की कमी और हल्की उत्तरी हवाएं चलती हैं। यही भारतीय मौसम की विशेषता है। उत्तर-पूर्वी मानसून में बारिश कम ही होती है जिससे सर्दी की फसल को बहुत लाभ होता है। हाँ, तमिलनाडु में इससे बहुत बारिश होती है क्योंकि यहां यही मानसूनकाल होता है। कारण भी है क्योंकि पश्चिमी घाट के पर्वत श्रेणियों की आड़ में आ जाने के कारण दक्षिण-पश्चिमी मानसून से तमिलनाडु में भरपूर बरसात नहीं हो पाती है जिसकी पूर्ति नवंबर-दिसंबर में उत्तर-पूर्वी मानसून करता है। भारत में औसतन 117 सेमी बारिश मानसूनकाल में होती है जबकि विसंगतियां भी हैं क्योंकि चेरापुंजी में सालभर में 1100 सेमी तो जैसलमेर में केवल 20 सेमी बारिश ही होती है। भारत में बारिश का कारण हमारी पर्वत श्रृंखलाएं भी हैं। यदि ये नहीं होते तो बहुत कम बारिश होती। इसके बेहतर उदाहरण मुंबई और पुणे हैं। मानसूनी नम हवाएं दक्षिण-पश्चिमी दिशा से पश्चिमी घाट पर टकरा पवनाभिमुख ढ़ाल यानी विन्ड वर्ड वाले भाग में ऊपर उठती हैं जो मुंबई में भारी वर्षा (187 सेमी तक) कराता है। यही हवाएं पर्वत श्रृंखला पार करते पवन विमुखी ढाल यानी ली वर्ड हो नीचे उतर पुणे क्षेत्र में गर्म और शुष्क हो जाती हैं जिससे बहुत कम बारिश (50 सेमी तक) होती है जबकि दूरी महज 160 किलोमीटर ही है। वैज्ञानिक मानते हैं कि हिमालय नहीं होता तो उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में मानसूनी बारिश भी नहीं होती। दरअसल मानसूनी हवाएं बंगाल की खाड़ी से होकर, हिमालय से टकराकर वापस लौटते हुए उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बरसती हैं। मानसूनकाल राजस्थान में मामूली बारिश के साथ खत्म हो जाता है। मानसून की तमाम रोचकताएं भी हैं। एक यह कि पूरे वर्ष में जहां 8765 घण्टे होते हैं वहीं मानसून की सक्रियता तापमान के अंतर के चलते लगभग 100 घण्टों की ही होती है। इससे लगभग 40 हजार बिलियन टन मानसूनी समुद्री पानी भारत में बरसता है लेकिन भूजल दोहन के अनुपात में हमने इसे कितना सहेजा? उल्टा पर्यावरणीय प्रदूषण, हरे-भरे जंगलों की लगातार कटाई, कंक्रीट के जंगलों की बाढ़, तालाब, पोखरों, नदियों से ज्यादती, पहाड़ों की गिट्टी में तब्दीली तो रेत की आड़ में नदियों के अस्तित्व से खिलवाड़ वो वजहें हैं जिनसे जानकर भी अनजान हैं और परेशान हैं। बावजूद इन सबके प्रकृति की उदारता देखिए कि कोरोना लॉकडाउन के चलते प्रदूषण कमा और पर्यावरण की सांसों को सुकून क्या मिला, मानसून ने भी अपनी खुशी जतला दी और बरसों बाद लगभग पूरे देश में हफ्ते दस दिन पहले ही झमाझम झूमकर दस्तक दे दी। काश प्रकृति के इन इशारों को समझ पाते जिसके बहुत गहरे मायने हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया 76 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 74 रुपया प्रति डॉलर से नीचे पहुंचा

मुंबई, रुपये में बृहस्पतिवार को भी गिरावट जारी रही। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा उम्मीद से कहीं पहले ब्याज दर में वृद्धि किये जाने के संकेत देने के बाद विदेशों में डॉलर के मजबूत होने से बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 76 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 74 रुपये के स्तर से नीचे चला गया। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 73.65 पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान इसमें और गिरावट आई तथा अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 76 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ प्रति डालर 74.08 (अस्थायी) पर बंद हुआ।बुधवार को रुपया 73.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपये में 73.57 के उच्च स्तर और 74.08 के निम्न स्तर के बीच घट बढ़ हुई। बृहस्पतिवार तक के पिछले आठ कारोबारी सत्रों के दौरान रुपये में 128 पैसे की गिरावट आ चुकी है। इस बीच छह प्रमुख विदेशी मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.60 प्रतिशत बढ़कर 91.67 हो गया। ब्रेंट कच्चा तेल का वायदा भाव 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 74.48 डॉलर प्रति बैरल पर बोला गया। शेयर एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक सोमवार को पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने बुधवार को 870.29 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

आरबीआई ने अप्रैल में 4.212 अरब डॉलर की खरीद की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अप्रैल में अमेरिका डॉलर का शुद्ध लिवाल रहा। उसने हाजिर बाजार से 4.212 अरब डॉलर की खरीद की। केंद्रीय बैंक के आंकड़े के अनुसार आरबीआई ने हाजिर बाजार से 8.182 अरब डॉलर की खरीद की। वहीं उसने 3.97 अरब डॉलर की बिकवाली की। आरबीआई ने इस साल मार्च में शुद्ध रूप से 5.699 अरब डॉलर बेचे थे। उसने हाजिर बाजार से 20.25 अरब डॉलर खरीदे जबकि 25.949 अरब डॉलर बेचे। आंकड़े के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में केंद्रीय बैंक ने हाजिर बाजार से शुद्ध रूप से 68.315 अरब डॉलर खरीदे। उसने हाजिर बाजार से 162.479 अरब डॉलर खरीदे जबकि 94.164 अरब डॉलर बेचे।

सैमसंग ने पहली तिमाही में यूरोपीय वियरेबल्स मार्केट में हासिल किया दूसरा स्थान

सोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स साल की पहली तिमाही में यूरोप में वियरेबल्स डिवाइसों का दूसरा सबसे बड़ा विक्रेता रहा। लेकिन कंपनी के कट्टर प्रतिद्वंद्वी एप्पल द्वारा अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के चलते इसकी बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग ने जनवरी से लेकर मार्च तक की अवधि में यूरोपीय बाजार में 16.1 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जो एक साल पहले 16.8 फीसदी थी। दक्षिण कोरिया की इस दिग्गज तकनीकि कंपनी ने पहली तिमाही में इस क्षेत्र में 35 लाख वियरेबल्स उत्पादों की शिपिंग की है, जिसमें पिछले साल के मुकाबले 27.2 फीसदी की बढ़त है। हालांकि, कंपनी का यह विकास कम है क्योंकि इंडस्ट्री का औसत ही 33 फीसदी रहा है। इस बीच यूरोप में एप्पल का दबदबा देखने को मिला क्योंकि पहली तिमाही में इसकी बाजार हिस्सेदारी एक साल पहले के मुकाबले 30 प्रतिशत से बढ़कर 35.6 प्रतिशत हो गई है। साल की पहली तिमाही में इस अमेरिकी कंपनी ने 78 लाख वियरेबल्स डिवाइसों की शिपिंग की, जो पिछले साल के मुकाबले 57.8 फीसदी अधिक है।

वित्त वर्ष 2022 में मजबूत वृद्धि देख सकती हैं भारतीय दवा कंपनियां : फिच रेटिंग्स

चेन्नई।

फिच रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय दवा कंपनियों की बिक्री वित्त वर्ष 2022 में मजबूत वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। इस क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा है कि फार्मा कंपनियों की बिक्री वित्त वर्ष 2022 में बढ़ेगी क्योंकि पिछले वर्ष महामारी से प्रभावित होने की बात से अब बिक्री सामान्य हो गई है। फिच रेटिंग्स ने कहा, वित्त वर्ष 2021 में अधिकतर फार्मा कंपनियों की परफॉर्मेंस उतार-चढ़ाव वाली रही। इसके लिए महामारी की स्थिति में आई थोड़ी स्थिरता, भौगोलिक विविधीकरण और सिर्फ महामारी से संबंधित दवाओं की अधिक बिक्री जिम्मेदार रही हैं। रेटिंग एजेंसी को उम्मीद है कि गंभीर चिकित्सा स्थितियों और वैकल्पिक प्रक्रियाओं के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की बिक्री वित्त वर्ष 2022 में जारी रहेगी। वित्त वर्ष 2021 में इन श्रेणियों में बिक्री गिर गई क्योंकि यात्राओं पर प्रतिबंध लगाए जाने के चलते डॉक्टर्स ने अपने दौरे कम कर दिए और अस्पतालों में भी कोविड-19 के उपचार को प्राथमिकता दी गई।भारत सहित जिन अन्य बाजारों में टीका का वितरण धीमे हो रहा है, वहां संक्रमण का जोखिम अधिक बना हुआ है, लेकिन दूसरी लहर के बाद स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत हो गई, जिससे इसका प्रभाव कम हो सकता है।

सीआईआई ने आर्थिक वृद्धि के लिए तीन लाख करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन की वकालत की

नयी दिल्ली, उद्योग मंडल सीआईआई ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को तीन लाख करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन की जरूरत है, जिसमें जन धन खातों के जरिए नकद हस्तांतरण शामिल है। इसके साथ ही सीआईआई ने तेजी से टीकाकरण पर भी जोर दिया। सीआईआई के अध्यक्ष टी वी नरेंद्रन ने यह भी कहा कि उद्योग मंडल को उम्मीद है कि 2021-22 में जीडीपी 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में वृद्धि को मजबूत बाह्य मांग और टीकाकरण के प्रसार का लाभ मिलेगा। उन्होंने तेजी से टीकाकरण के लिए एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति पर भी जोर दिया। नरेंद्रन ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर से प्रभावित लोगों के तनाव को कम करने के लिए उचित वित्तीय उपाय करना वक्त की मांग है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है और महामारी ने उपभोक्ता मांग को प्रभावित किया है तथा इस वजह से उद्योग मंडल ने नकद हस्तांतरण जैसे उपायों की पैरोकारी की है। नरेंद्रन ने कहा, ''तीन लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय प्रोत्साहन की आवश्यकता है... तीन लाख करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त राजकोषीय प्रोत्साहन की गुंजाइश है।'' उन्होंने कहा कि आरबीआई को बढ़े हुए प्रोत्साहन को समायोजित करने के लिए अपने बहीखातों का विस्तार करना चाहिए, ताकि उधारी लागत स्थिर बनी रहे। सीआईआई ने मनरेगा आबंटन बढ़ाने, अल्पकालिक तौर पर कुछ खास क्षेत्रों में जीएसटी कटौती, घर खरीदारों के लिए समयबद्ध कर राहत, ब्याज माफी या स्टांप शुल्क में छूट, पिछले साल की तरह एलटीसी नकद वाउचर योजना, और 31 मार्च 2022 तक आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के विस्तार का सुझाव दिया है।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 179 अंक टूटा

मुंबई,

शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 179 अंक टूटकर बंद हुआ। वैश्विक शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अपेक्षा के विपरीत नीतिगत दर में समय से पहले और तेजी से वृद्धि के संकेत से निवेशक अचंभित हुए जिसका असर दुनिया भर के बाजारों पर पड़ा। कारोबारियों के अनुसार इसके अलावा, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में 76 पैसे की बड़ी गिरावट से भी धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 178.65 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,323.33 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 76.15 अंक यानी 0.48 प्रतिशत गिरकर 15,691.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में इंडसइंड बैंक रहा। इसके अलावा डा. रेड्डीज, एनटीपीसी, मारुति, एक्सिस बैंक, बजाज ऑटो, भारती एयरटेल और एचडीएफसी भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक समेत अन्य शेयर 1.86 प्रतिशत तक लाभ में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक विकास जैन ने कहा, ''फेडरल ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के बयान से वैश्विक बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और उसका असर घरेलू बाजार पर भी रहा। निवेशकों ने फेडरल रिजर्व के देश के आर्थिक वृद्धि अनुमान को बढ़ाने के साथ उम्मीद के विपरीत नीतिगत दर में समय से पहले वृद्धि की घोषणा पर गौर किया।'' उन्होंने कहा, ''फेडरल रिजर्व ने इस साल के लिये वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया है जबकि नीतिगत दर में 2024 के बजाए 2023 में वृद्धि का अनुमान जताया। साथ ही इस पर बातचीत शुरू की है कि 120 अरब डॉलर के बांड खरीद कार्यक्रम को कब तक वापस लिया जाए।'' जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेजी से पटरी पर आ रही है और रोजगार बाजार में मजबूती से फेडरल रिजर्व बांड खरीद कार्यक्रम में नरमी ला सकता है।'' उन्होंने कहा, ''इससे बांड प्रतिफल तंग हो सकता है, जिसका असर इक्विटी संपत्ति के मूल्य पर पड़ेगा।'' एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और हांगकांग बढ़त में रहे जबकि सोल और तोक्यो में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 76 पैसे लुढ़क कर 74.08 पर बंद हुआ।

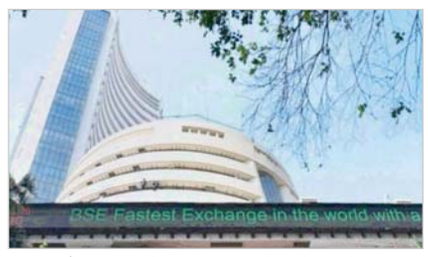

कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस को 275 करोड़ के घाटे की आशंका

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा कि भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान उच्च मृत्यु दर के कारण उसकी जीवन बीमा शाखा को जून 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान 275 करोड़ रुपए तक घाटे की आशंका है। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस ने शेयर बाजार को बताया कि दूसरी लहर के कारण बढ़े हुए दावों और उच्च मृत्यु दर से संबंधित प्रावधानों के कारण कंपनी को जून तिमाही के दौरान 225-275 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका है। कंपनी ने कहा कि आगे के प्रावधान मृत्यु दर के रुझान पर निर्भर करेगी। उसने कहा कि कंपनी के पास मजबूत पूंजी और अदायगी क्षमता की स्थिति बनी हुई है।

अर्थव्यवस्था में 2021-22 की पहली तिमाही में 12 प्रतिशत गिरावट की आशंका: रिपोर्ट

मुंबई,

कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर को काबू में करने के लिये राज्यों के अप्रैल और मई में लगाये गये 'लॉकडाउन' से चालू वित्त वर्ष 2021-22 की जून तिमाही में अर्थव्यवस्था में 12 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। स्विट्जरलैंड की ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में यह कहा।

पिछले साल, केवल चार घंटे के नोटिस पर केंद्र के स्तर पर लगाये गये ढाई महीने के देशव्यापी 'लॉकडाउन' से अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान हुआ था और वित्त वर्ष 2020-21 में इसमें 7.3 प्रतिशत का संकुचन हुआ। पहली तिमाही में इसका काफी प्रतिकूल असर रहा और जीडीपी में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आयी। दूसरी तिमाही में स्थिति थोड़ी सुधरी और अर्थव्यवस्था में 17.5 प्रतिशत का संकुचन हुआ। हालांकि, दूसरी छमाही में तीव्र गति से पुनरूद्धार हुआ। वर्ष की तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत रही। वहीं चौथी तिमाही में यह बढ़कर 1.6 प्रतिशत पर पहुंच गयी। इससे कुल मिलाकर गिरावट 2020-21 में 7.3 प्रतिशत पर सीमित रही। स्विस ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया ने एक रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 12 प्रतिशत की गिरावट से इस बार अर्थव्यवस्था में डू (गिरावट के बाद तीव्र गति से वृद्धि) आकार में वृद्धि मुश्किल होगी, जैसा कि पिछली बार राष्ट्रीय स्तर पर 'लॉकडाउन' हटने के बाद देखा गया था। उसने कहा कि इसका कारण इस बार उपभोक्ता धारण कमजोर बनी हुई है क्योंकि लोग पिछले साल के मुकाबले महामारी की दूसरी लहर के असर को देखकर काफी चिंतित हैं। स्विस ब्रोकरेज कंपनी की अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने यूबीएस इंडिया के आंतरिक आंकड़े का हवाला देते हुए कहा कि जो भी संकेतक है, वह जून 2021 को समाप्त तिमाही में अर्थव्यवस्था में 12 प्रतिशत की गिरावट का संकेत देते हैं। यह स्थिति तब है, जब विभिन्न राज्यों में मई के अंतिम सप्ताह से स्थानीय स्तर पर लगी पाबंदियों में ढील से 13 जून को समाप्त सप्ताह में संकेतक साप्ताहिक आधार पर 3 प्रतिशत बेहतर होकर 88.7 पर रहा।

हालांकि ब्रोकरेज कंपनी ने जून से मासिक आधार पर आर्थिक गतिविधियां बेहतर रहने की उम्मीद जतायी है। लेकिन अर्थव्यवस्था में गति संभवतः दूसरी छमाही से ही देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि 2020 में गिरावट के बाद तीव्र गति से वृद्धि देखने को मिली थी, लेकिन इस बार उस तरह की संभावना नहीं है। इस बार अर्थव्यवस्था में धीरे-धीरे पुनरूद्धार होगा क्योंकि महामारी से जुड़ी अनिश्चतताओं के कारण उपभोक्ताओं की धारणा कमजोर बनी हुई है। अर्थशास्त्री के अनुसार टीकाकरण में गति आने के साथ उपभोक्ता तथा व्यापार भरोसा बढ़ने की संभावना है। इससे आर्थिक पुनरूद्धार में दूसरी छमाही से गति आने की उम्मीद है।

पूरी दुनिया में मेटल की कीमतों में भारी गिरावट, सोने और चांदी का भाव भी गिरा

नेशनल डेस्क।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिज़र्व की तरफ से बुधवार देर रात मोनेटरी पॉलिसी के जारी किए गए नतीजों के बाद पूरी दुनिया में मेटल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। न्यूयार्क कोमोडिटी एक्सचेन्ज **(COMAX)** पर गुरूवार को सोने का भाव साढ़े 3 प्रतिशत गिरकर 1800 डॉलर प्रति ओस से नीचे आ गया जबकि चांदी में भी 4 प्रतिशत से ज़्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है। चांदी 4.14 प्रतिशत गिरकर 26.67 डॉलर पर कारोबार कर रही है। कपड़ा और प्लैटिनम की कीमतों में भी भारी गिरावट आई है। कपड़ा 4.29 डॉलर पर ट्रेंड कर रहा है जबकि प्लैटिनम 3.21 प्रतिशत गिर कर 1105 डॉलर पर है। गौरतलब है कि बुधवार देर रात फेडरल रिज़र्व ने 2 दिन की बैठक के बाद हालांकि ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है परन्तु दुनिया भर में बढ़ रही महंगाई पर चिंता जताई और कहा कि 2023 तक फेडरल रिज़र्व ब्याज दरों में बदलाव कर सकता है। फेड के इस ऐलान का प्रभाव यह हुआ कि दुनियाभर में डॉलर मज़बूत हो गया और डॉलर का सितंबर फ्यूचर 0.63 प्रतिशत बढ़कर 91.79 पर कारोबार कर रहा है। डॉलर की मज़बूती के साथ ही मेटल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। फेड के इस ऐलान के बाद अमेरिका में 10 साल की बांड यीलड बढ़कर 0.169 प्रतिशत हो गई है और निवेशकों ने तेज़ी के साथ अपना पैसा मेटल से निकाल कर यू.ऐस. बांडस में निवेश करना शुरू कर दिया है।

गिरावट के बाद भारत में भी इसका प्रभाव देखने को मिला है। भारत में अहमदाबाद की स्पोट मार्केट में सोनो की कीमत गुरूवार शाम तक 2.16 प्रतिशत गिर कर 47,471 रुपए पर पहुंच गई और इसमें 1052 रुपए की गिरावट आई है। जबकि चांदी की कीमत 2065 गिर कर 69,915 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

भारत में भी गिरा सोने-चांदी का भाव

न्यूयॉर्क स्टाक एक्सचेन्ज में सोने और चांदी की कीमतों में भारी

पहली तिमाही में सैमसंग, वीवो सबसे तेजी से बढ़ रहे 5जी स्मार्टफोन ब्रांड : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

स्मार्टफोन ब्रांड सैमसंग और वीवो 2021 की पहली तिमाही में दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते 5जी स्मार्टफोन विक्रेता रहे हैं। एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स के नए शोध के अनुसार, दक्षिण कोरियाई तकनीकी दिग्गज सैमसंग ने तिमाही-दर-तिमाही (क्यूओक्यू) में 79 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि वीवो ने 62 प्रतिशत क्यूओक्यू की छलांग लगाई।स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स के निदेशक केन हायर्स ने गुरुवार को एक बयान में कहा, वैश्विक 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट में 6 प्रतिशत क्यूओक्यू की वृद्धि हुई है और 2021 की पहली तिमाही के दौरान 13.6 करोड़ यूनिट का रिकॉर्ड बना है। हायर्स ने कहा, 5जी स्मार्टफोन की मांग बहुत मजबूत बनी हुई है, विशेष रूप से चीन, अमेरिका और पश्चिमी यूरोप में इसकी खास मांग है। हम पूरे वर्ष 2021 के लिए वैश्विक 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट रिकॉर्ड 62.4 करोड़ यूनिट तक पहुंचने का अनुमान लगा रहे हैं, जो पूरे वर्ष 2020 में 26.9 करोड़ से बढ़ेगा।स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स के एसोसिएट डायरेक्टर विले-पेटेरी उकोनाहो के अनुसार, सैमसंग दक्षिण कोरिया, उत्तरी अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में नए 5जी मॉडल, जैसे गैलेक्सी एस21 5जी, एस21 अल्ट्रा 5जी और एस21 प्लस 5जी के साथ अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वहीं दूसरी ओर वीवो 2021 की पहली तिमाही में दूसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला 5जी स्मार्टफोन विक्रेता रहा है, जो अपने आईक्यूओओ यू3 5जी और यू7 5जी स्मार्टफोन द्वारा संचालित 62 प्रतिशत क्यूओक्यू से 19 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया।कंपनी ने कहा कि वीवो के 5जी स्मार्टफोन गढ़ चीन और यूरोप हैं। ओप्पो ने क्यूओक्यू में 55 प्रतिशत की वृद्धि की, जबकि श्याओमी ने क्यूओक्यू में 41 प्रतिशत की वृद्धि की है।

फ्लिपकार्ट, अमेजन ने सीसीआई जांच पर अदालत के आदेश को दी चुनौती: रिपोर्ट

नई दिल्ली।

वालमार्ट इंक फ्लिपकार्ट और अमेजन डॉट कॉम इंक ने अपने कारोबारी तौर-तरीकों की एंटीट्रस्ट जांच फिर से शुरू करने के खिलाफ दिए गए आदेश को चुनौती दी है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पिछले साल जनवरी में एक शिकायत के बाद एक जांच शुरू की थी, जिसमें फ्लिपकार्ट और अमेजन पर अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर चुनिंदा विक्रेताओं को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धा को कम करने के लिए बड़ी छूट का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था। कंपनियों ने गलत काम करने से इनकार किया है और दोनों कंपनियों की ओर से तत्काल कानूनी चुनौतियों ने जांच को एक साल से अधिक समय तक रोक दिया था। हालांकि पिछले हफ्ते एक अदालत ने फैसला सुनाते हुए सीसीआई के पास सबूतों की कमी की दलीलों को खारिज कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 16 जून को दायर फ्लिपकार्ट की ताजा अपील में दलील दी गई है कि कर्नाटक की अदालत द्वारा जांच फिर से शुरू करने की अनुमति देना गलत है और इसे रोक दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, फ्लिपकार्ट की फाइलिंग में कहा गया है, यदि जांच वर्तमान अपील तक जारी रहनी है तो अपीलकर्ता को अपूरणीय क्षति होगी। इसने अदालत से जांच के लिए प्रारंभिक सीसीआई के आदेश को रद्द करने का भी आग्रह किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेजन ने भी इसी तरह की चुनौती पेश की है। दोनों पर इस सप्ताह दो-न्यायाधीशों के पैनल द्वारा सुनवाई किए जाने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सीसीआई ने जांच में तेजी लाने की योजना बनाई है। एक सूत्र ने कहा कि सीसीआई की योजना फ्लिपकार्ट और अमेजन से आरोपों पर जल्द से जल्द जानकारी मांगने की है। इस तरह की जांच आमतौर पर कई महीने चलती है। अमेजन और फ्लिपकार्ट दोनों वर्तमान में ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं के आरोपों से जूझ रहे हैं। गौरतलब है कि सीसीआई ने जनवरी 2020 में भारी छूट देने और कुछ कंपनियों के साथ गठजोड़ कर छूट प्रदान करते हुए सामान बेचने समेत अन्य कथित अनैतिक व्यापारिक गतिविधियों को अपनाने के लिए फ्लिपकार्ट और अमेजन के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। वहीं कर्नाटक हाईकोर्ट ने पिछले सप्ताह प्रतिस्पर्धा कानूनों के प्रावधानों के कथित उल्लंघन के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के जांच आदेश को रद्द करने की अमेजन और फ्लिपकार्ट की याचिका खारिज कर दी थी।

भारत के ई कॉमर्स व्यापार को आर्थिक आतंकवाद से मुक्त करे सरकार: कैट

नई दिल्ली।

कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से आग्रह किया है कि विदेशी धन प्राप्त कंपनियों के आर्थिक आतंकवाद से देश के ई कॉमर्स व्यापार को मुक्त कराया जाए । उनके मुताबिक एफडीआई नीति के प्रेस नोट नंबर 2 के स्थान पर एक नया प्रेस नोट जारी कर इन ई-कॉमर्स पर लगाम कसना बेहद जरूरी है। कैट के अनुसार, अमेजॉन, फ्लिपकार्ट और अन्य विदेशी धन प्राप्त ई-कॉमर्स कंपनियों की निरंतर अनैतिक व्यापार प्रथाओं को जारी रखने तथा एफडीआई नीति और अन्य लागू नियमों के लगातार उल्लंघन के मद्देनजर ये आग्रह किया गया है। कैट ने कहा है, भारत कोई बिकने वाला राष्ट्र नहीं है।

यह बात अमेजन एवं फ्लिपकार्ट सहित उन सभी कंपनियों को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए जो देश में ई कॉमर्स और रिटेल व्यापार पर कब्जा कर अपना एकाधिकार जमाने का कुत्सित प्रयास कर रही हैं। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, जिस तरह से इन कंपनियों द्वारा नीति एवं नियमों का उल्लंघन कर पूरी शक्ति से ई कॉमर्स व्यापार को तबाह किया जा रहा है, उससे देश भर में हजारों दुकानें बन्द हो गई हैं। ये स्थिति किसी भी मायने में आर्थिक आतंकवाद से कम नहीं है, जिसका समूल नष्ट किया जाना बेहद जरूरी है।

इसी बीच अमेजॉन द्वारा हाल ही में दिए गए कुछ बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कैट ने कहा कि, अमेजॉन एवं फ्लिपकार्ट द्वारा यह दावे करना कि उन्होंने भारत में बड़ी मात्रा में रोजगार उपलब्ध कराया है और व्यापारियों को व्यापार के बड़े अवसर प्रदान किये हैं, नितांत काल्पनिक एवं देश के ई कॉमर्स व्यापार पर कब्जा जमाने के सुनियोजित षड्यंत्र से अलावा कुछ भी नहीं है।

उन्होंने कहा, जिस तरह से ईस्ट इंडिया कंपनी ने खुद को भारत के सच्चे दोस्त के रूप में देश के व्यापारियों के उद्धारकर्ता के रूप में प्रदर्शित किया और बाद में देश को गुलाम बना दिया गया है, लगभग उसी प्रकार के अपने नापाक इरादों पर प्रदा डालने की कोशिश है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

अमेरिकी ओपन में शत प्रतिशत दर्शकों को प्रवेश की अनुमति

न्यूयॉर्क :

अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट 2021 में पूरे दो सप्ताह सौ फीसदी दर्शकों को प्रवेश की अनुमति रहेगी। कोरोना महामारी के कारण पिछले साल यहां दर्शकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अमेरिकी टेनिस संघ ने गुरूवार को बताया कि कोर्ट और ग्राउंड के सभी टिकट जुलाई से बेचे जाएंगे। इस साल का आखिरी ग्रैंडस्लैम 30 अगस्त से 12 सितंबर तक फ्लशिंग मीडोज पर खेला जाएगा। न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने गुरूवार को कहा कि सामाजिक दूरी के नियमों में और रियायत दी जाएगी क्योंकि 70 प्रतिशत वयसकों को कोरोना का कम से कम एक टीका लग चुका है। बास्केटबॉल मैचों में भी शत प्रतिशत दर्शकों को प्रवेश मिल रहा है।

तेज गेंदबाजी के अनुकूल हालात में पहले बल्लेबाजी करना और दबाव से निपटना आदर्श स्थितिः गांगुली

नयी दिल्ली,

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि पिछले 35 साल की 'सर्वश्रेष्ठ न्यूजीलैंड' टीम के खिलाफ भारत को आसमान में बादल छाए होने के बावजूद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करना चाहिए क्योंकि विदेशी दौरों पर ऐसा करना टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ रहा है। पूर्व स्टार बल्लेबाज गांगुली को उम्मीद है कि विराट कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतेगी लेकिन केन विलियमसन की अगुआई वाली न्यूजीलैंड की टीम की गहराई और स्तर को देखते हुए ऐसा करना आसान नहीं होगा। गांगुली ने 'आज तक' से कहा, ''अगर आप रिकॉर्ड देखोगे और भारत के विदेशों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (2020-2021 में आस्ट्रेलिया दौरा छोड़कर) तो पता चलेगा कि हमने हमेशा मैच तभी जीते हैं जब पहले बल्लेबाजी की है। यह आपकी पसंद है कि आप प्रतिकूल हालात में शुरुआत में ही दबाव का सामना करना चाहते हो या चौथी पारी का इंतजार करना चाहते हो।'' उन्होंने कहा, ''2002 में लीड्स में देखो या 2018 में दक्षिण अफ्रीका, हमने गेंदबाजी के अनुकूल हालात में पहले बल्लेबाजी की, शुरुआती दबाव का सामना किया, रन बनाए और इसी तरह मैच जीता जाता है।'' गांगुली ने कहा, ''यहां तक कि मार्क टेलर या स्टीव स्मिथ की आस्ट्रेलियाई टीमों ने भी तेज गेंदबाजी के अनुकूल हालात में बामुश्किल ही पहले क्षेत्ररक्षण किया होगा। शायद कभी कभार जब विकेट में नमी हो।''गांगुली ने कहा कि न्यूजीलैंड और फिर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नई गेंद के तेज गेंदबाजी आक्रमण को विफल करना रोहित शर्मा और शुभमन गिल की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''रोहित और शुभमन को अच्छी शुरुआत देने की जरूरत हैं। उन्हें कम से कम 20 ओवर बल्लेबाजी करनी होगी जिससे चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली और ऋषभ पंत को उनके द्वारा तैयार मंच पर काम करने में मदद मिलेगी।'' गांगुली ने विलियमसन और टिम साउथी के बिना भी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट जीतने के लिए न्यूजीलैंड की सराहना की। उन्होंने कहा, ''यह पिछले 30 से 35 साल की न्यूजीलैंड की सर्वश्रेष्ठ टीम है। उन्होंने इंग्लैंड को इंग्लैंड में हराया। उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारत की राह आसान नहीं होगी क्योंकि वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं।'' गांगुली ने कहा, ''यह सिर्फ जीत नहीं है बल्कि यह है कि वे टीम के रूप में कितना मजबूत लग रहे हैं। उन्होंने विलियमसन, साउथी और जेमीसन के बिना जीत दर्ज की। मुझे नया खिलाड़ी विल यंग भी पसंद आया। उसने बर्मिंघम में स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन के खिलाफ अच्छी पारी खेली। भारत को लय में आने में समय लगेगा क्योंकि उसने काफी मैच नहीं खेले हैं लेकिन यह अच्छा मुकाबला होगा।''

इस सप्ताह कोरोना आपातकाल हटाने की घोषणा कर सकता है जापान

टोक्यो।

अगले महीने शुरू हो रहे ओलिम्पिक खेलों की तैयारियों को आखिरी रूप देने में जुटा जापान संक्रमण दर में कमी आने के बाद इस सप्ताह टोक्यो और 6 अन्य शहरों में कोरोना महामारी के कारण लगा आपातकाल हटाने की घोषणा कर सकता है। जापान में मार्च के बाद से एक समय रोजाना 7000 मामले सामने आ रहे थे और टोक्यो, ओसाका तथा अन्य महानगरों में गंभीर रूप से संक्रमित मरीजों सेअस्पताल भर गए थे। उसके बाद से हालांकि मरीजों की संख्या में कमी आई है। प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा इस सप्ताह आपातकाल हटाने की घोषणा कर सकते हैं जो रविवार तक लागू है। ओलिम्पिक के आयोजन का आम जनता और चिकित्सा समुदाय द्वारा विरोध किए जाने के बावजूद सुगा ने कहा कि वह 23 जुलाई से खेलों की सुरक्षित मेजबानी को लेकर प्रतिबद्ध हैं। चुनाव से पहले ओलिम्पिक का आयोजन सुगा के लिए राजनीतिक जुआ भी साबित हो सकता है। महामारी से निपटने में सरकार के रवैये, टीकाकरण की धीमी गति और ओलिम्पिक के दौरान महामारी के नहीं फैलने देने के प्रयासों को लेकर कोई ठोस रणनीति के अभाव के कारण सरकार की काफी आलोचना हो रही है। विशेषज्ञों की गुरूवार को हुई बैठक में टोक्यो, इची, होकाइडो, ओसाका, क्योटो, हियोगो और फुकुओका से आपातकाल हटाने को प्रारंभिक मंजूरी दे दी गई। सरकार की कोरोना पैनल के प्रमुख डॉक्टर शिगेरू ओमि ने कहा कि हमें हरसंभव प्रयास करना होगा और ठोस वित्तीय मदद भी।

सबालेंका को हराकर कीज जर्मन ओपन क्वार्टर फाइनल में

बर्लिन ।

अमेरिका की मेडिसन कीज ने शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को 6-4, 1-6, 7-5 से हराकर जर्मन ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 28वें स्थान पर काबिज कीज ने चौथे नंबर की खिलाड़ी को दो घंटे में हरा दिया। वह जनवरी 2020 के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम 8 में पहुंची है। अब कीज का सामना रूस की वेरोनिका कुडेरमेतोवा या क्वालीफायर लुडमिला सैमसोनोवा से होगा। स्विटजरलैंड की बेलिंडा बेंचिच ने पेत्रा मार्टिच को 6 . 3, 6 . 4 से मात दी। अब उनका सामना एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा से होगा जिसने उक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-4, 7-5 से हराया।

भारत ने ओलंपिक के लिए महिला हॉकी टीम घोषित की

बेंगलुरु।

हॉकी इंडिया ने इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए 16 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। हॉकी इंडिया ने बताया कि इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मेल है और टीम में आठ अनुभवी खिलाड़ियों को जगह दी गई है। ओलंपिक के लिए कप्तान की घोषणा बाद में की जाएगी। आठ अनुभवी खिलाड़ियों में रानी रामपाल, सविता, दीप ग्रेस एका, सुशीला चानू पुखरमबाम, मोनिका, निकी प्रधान, नवजोत कौर और वंदना कटारिया शामिल हैं जो 2016 रियो ओलंपिक टीम में भी शामिल थीं।मुख्य कोच शुअर्ड मरिने ने कहा, इस टीम ने पिछले कुछ वर्षो में काफी मेहनत की है और लगातार लय बरकरार रखी है। टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मेल है जो बेहतरीन है। हम टोक्यो में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। महिला हॉकी टीम का यह तीसरा ओलंपिक होगा। टीम ने इससे पहले 1980 मॉस्को और 2016 रियो ओलंपिक में हिस्सा लिया था। रियो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम ने 2016 एशिया चैंपियंस ट्रॉफी और 2017 एशिया कप जीता था जबकि उसने 2018 एशियन खेलों में रजत पदक जीता था। ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर, उदिता, निशा, नेहा, नवनीत कौर, शर्मिला देवी और लालरेमसियामी ओलंपिक में डेब्यू करेंगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम इस प्रकार है :

सविता (गोलकीपर), दीप ग्रेस एका, निकी प्रधान, गुरजीत कौर, उदिता (डिफेंडर्स), निशा, नेहा, सुशीला चानू पुखरमबाम, मोनिका, नवजोत कौर, सलिमा टेटे (मिडफील्डर्स),रानी रामपाल, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, वंदना कटारिया और शर्मिला देवी (फॉरवर्डर्स)।

संक्षिप्त समाचार

विंबलडन और ओलंपिक से हटे नडाल

लंदन। 20 ग्रैंड स्लैम के विजेता स्पेन के राफेल नडाल अपने शरीर को आराम देने के कारण विंबलडन और इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक से हट गए हैं। विंबलडन का आयोजन 28 जून से 11 जुलाई तक होगा जबकि ओलंपिक की शुरूआत 23 जुलाई से होगी। 35 वर्षीय नडाल ने ट्वीट कर कहा, मैंने विंबलडन और टोक्यो में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। यह आसान फैसला नहीं था लेकिन अपने शरीर को देखते हुए और अपनी टीम के साथ चर्चा करने के बाद मुझे लगा कि यह सही फैसला है। नडाल को हाल ही में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में विश्व के नंबर-1 सर्बिया के नोवाक जोकोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यह उनकी रोलां गैरों में 108 मैचों में तीसरी हार थी। नडाल के हटने से स्विटजरलैंड के रोजरर फेडरर के पास उनके पसंदीदा स्थल पर रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लैम जीतने का अवसर होगा।

रोनाल्डो की राह पर मिडफील्डर पॉल पोग्बा, बीयर की बोतल हटाई

नई दिल्ली । पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोका-कोला की बोतल हटाकर सभी को हैरान कर दिया था। रोनाल्डो के कदम से कोका कोला कंपनी को शेयर मार्केट में काफी नुकसान हुआ है। रोनाल्डो की राह पर एक और फुटबॉलर चल पड़े है। फ्रांस के मिडफील्डर पॉल पोग्बा ने मैच के बाद प्रेसवार्ता शुरू होने से पहले टेबल पर रखी हैकिनेन बीयर की बॉटल को हटा दिया। पोग्बा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, जर्मनी के खिलाफ मैच के बाद पॉल पोग्बा प्रेसवार्ता के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने सामने बीयर की बॉटल दिखाई दी, बीयर की बोतल को तत्काल हटा दिया। बता दें कि यूफो यूरो की कोको कोला की ही तरह हैकिनेन ऑफिशल स्पॉन्सर है। बता दें कि इनदिनों यूरो कप खेला जा रहा है। पुर्तगॉल टीम के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैच के बाद जब प्रेस कॉन्फ्रेंस वाली टेबल पर आए और वहां पर माइक के पास दो कोका कोला की बोतल और एक पानी की बोतल रखी थी। रोनाल्डो ने वहां रखी दोनों कोका कोला की बोतल को हटाकर और पानी की बोतल उठाकर कहा कि ड्रिंक वॉटर रिपोर्टों के अनुसार यूरो 2020 के अधिकारिक प्रायोजकों में से एक कोका-कोला के शेयर की कीमत इसके तुरंत बाद 56.10 डॉलर से 55.22 डॉलर घट गई। कोका-कोला का बाजार मूल्यांकन भी 242 अरब डॉलर से घटकर 238 अरब डॉलर हो गया, जिसमें कंपनी को चार अरब डॉलर का झटका लगा। विवाद के बाद कोका कोला ने बयान दिया कि खिलाड़ियों को प्रेस कॉन्फ्रेंस या मैच के दौरान हर तरह की ड्रिंक दी जाती है, अब ये उनपर निर्भर करता है कि वहां क्या लेना पसंद करते हैं, ये हर किसी की पंसद है।

कोच और भालाफेंक एथलीटों के बीच विवाद का असर टोक्यो की तैयारियों पर प्रभाव डालेगा : पूर्व कोच

नई दिल्ली।

पूर्व राष्ट्रीय भाला फेंक कोच काशीनाथ नाइक का कहना है कि कोच उवे हॉन और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के बीच विवाद का असर टोक्यो ओलंपिक की तैयारी कर रहे एथलीटों पर पड़ेगा। राष्ट्रीय टीम के 2013 से 2018 तक कोच रहे नाइक ने आईएएनएस से कहा, ओलंपिक खेलों को अब 40 दिन से भी कम रह गए हैं और हॉन तथा भारत के शीर्ष भाला फेंक एथलीट एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि पटियाला में राष्ट्रीय शिविर में सब ठीक नहीं है। इस विवाद से एथलीटों का ध्यान भटक सकता है और उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव डाल सकता है। नवंबर 2017 से हॉन राष्ट्रीय शिविर के साथ हैं और उन्हें महीने में करीब पांच लाख 90 हजार का वेतन मिलता है। उनका अनुबंध भी इस साल सितंबर तक बढ़ाया गया है। हॉन ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि सही दौरे नहीं मिलने और अच्छी फूड सप्लीमेंट नहीं मिलने के कारण ओलंपिक की तैयारी सही दिशा में नहीं चल रही है। हॉन ने कहा था, एथलीटों को टोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिए उच्च स्तरीय विदेशी दौरे नहीं मिले।इसके एक दिन बाद भारतीय की अग्रणी महिला भाला फेंक एथलीट अनु रानी और शिवपाल सिंह इस विवाद में कूद पड़े और इन्होंने कहा कि हॉन विदेशी दौरे पर जाने के लिए ज्यादा इच्छुक हैं क्योंकि उन्होंने अन्य देशों के एथलीटों को ट्रेनिंग दी है और वह भारतीयों को नजरअंदाज करते हैं। हॉन ने इस बारे में संदेश भेज कहा, मैं एएफआई और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की इजाजत के बिना कुछ नहीं सक सकता। मैं अपनी नौकरी खतरे में नहीं डाल सकता। एएफआई के अध्यक्ष एदिले सुमारीवाला ने फोन का जवाब नहीं दिया जबकि साई ने कहा कि हॉन सिंह और राजेंदर को ट्रेनिंग देते हैं और अनु को ट्रेनिंग नहीं देते। साई ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा, फरवरी से अनु हॉन के साथ ट्रेनिंग नहीं कर रही हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा मैच होगा : गिल

स्पोर्ट्स डेस्क ।

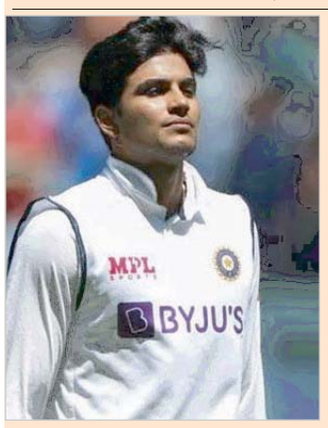

भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले 'इरादे' के महत्व पर प्रकाश डाला है क्योंकि 21 वर्षीय ने स्वीकार किया कि यह उनके करियर का सबसे बड़ा मैच होगा। सलामी बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घर और फिर इंग्लैंड के खिलाफ अपने देश में असाधारण प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को प्रभावित किया है। अब इंग्लैंड में अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे में भी उनसे यही उम्मीद की जा रही है। शुभमन गिल ने कोलकाता नाइट राइडर की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा मैच होगा। साउथेम्प्टन में हाल ही में इंट्रा-स्क्वाड मैच सिमुलेशन में उन्होंने प्रभावशाली 85 रन बनाए, जिसने अंततः उन्हें फाइनल के लिए 15-सदस्यीय भारतीय टीम में जगह दिलाई और सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति की लगभग गारंटी दी। रन बनाने की मानसिकता के बारे में बात करते हुए शुभमन ने कहा कि उनकी प्राथमिकता रन बनाने के इरादे को बनाए रखना है न कि उम्मीदों के दबाव को महसूस करना। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड में रन बनाने का आपका इरादा कभी भी पीछे नहीं हटना चाहिए। जब आप रन बनाना चाहते हैं तो गेंदबाज बैकफुट पर आ जाते हैं और आप गेंदबाज पर कुछ दबाव डाल सकते हैं। जीवित रहें, आपको अधिक अच्छी गेंदें मिलती हैं। शुबमन ने पहले ही अंडर-19 और लिस्ट ए मैच खेलकर इंग्लैंड में कुछ अद्भुत समय बिताया है। अंडर-19 वनडे और टेस्ट में उनका औसत क्रमशः 92.66 और 43.5 का रहा जबकि लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत 68.25 का है।

भारत की हरिका रूस की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक से लेंगी टक्कर

नई दिल्ली। महिला स्पीड चैस शतरंज के प्री क्वार्टर फाइनल प्ले ऑफ में भारत की ग्रांड मास्टर हरिका द्रोणावल्ली रूस की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक से मुकाबला करेगी। दोनों के बीच तीन अलग अलग फॉर्मेट पर 16 मुक़ाबले होंगे और जो भी इसमें पहले 8.5 अंक बना लेगा पर विजेता बन जाएगा। या सारे मैच करीब चार घंटे के अंतराल पर ऑनलाइन खेले जाने हैं। सबसे पहले 75 मिनट तक 5+1 मिनट प्रति खिलाड़ी के मैच होगा, फिर उसके बाद 45 मिनट तक 3+1 मिनट का मुकाबला होगा और फिर उसके बाद अगले 30 मिनट तक 1+1 मिनट के मुक़ाबले खेले जाएँगे। टाई होने की स्थिति मे 1+1 के बुलेट मुक़ाबले और खेले जाएँगे। मुकाबले में जीतने वाली खिलाड़ी क्वाटर फाइनल मे उक्रेन की अन्ना मुजयचूक और उक्रेन की उलिजा उसमाक मे से जीतने वाली खिलाड़ी से टकराएगी।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच पहला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल आज से

साउथम्पटन । पहले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल मुकाबले में शुक्रवार को विराट कोहली की भारतीय टीम का सामना केन विलियमसन की न्यूजीलैंड टीम से होगा। इस मुकाबले पर भारत सहित दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। दोनो ही टीमें इस मुकाबले को जीतकर यह पहला आईसीसी टेस्ट खिताब अपने नाम करना चाहेंगी। इस मैच में दोनो ही टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगी। इस मुकाबले से नीरस हो रहे टेस्ट क्रिकेट की ओर फिर से दर्शकों को खींचने का प्रयास भी होगा। इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों में खेल के इस लंबे प्रारुप के प्रति फिर से रुझान पैदा होगा। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली इस मैच को जीतने के साथ ही अपना पहला आईसीसी खिताब जीतना चाहेंगे। सबसे सफल भारतीय टेस्ट कप्तान होने के बाद भी वह टीम को अब तक आइसीसी खिताब नहीं जीत पाये हैं। भारतीय टीम के पास इस समय शानदार बल्लेबाज और अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं दूसरी ओर विलियमसन के पास भी शानदार तेज गेंदबाज हैं हालांकि उसकी बल्लेबाजी भारत से कमजोर है पर हाल में मेजबान इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसके हौंसले बुलंद है। टीम के पास ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी जैसी खतरनाक तेज गेंदबाज जो इस मैच में अंतर पैदा कर सकते हैं। टीम के पास कप्तान विलियमसन के अलावा, मैट हैनरी और युवा सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे है। कॉनवे ने अपने पदार्पण टेस्ट में ही दोहरा शतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। ऐसे में कीवी टीम की जीत का दावा भी कमजोर नहीं माना जा सकता है। इस मुकाबले में विजेता टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा के साथ ही 16 लाख डॉलर ईनामी राशि मिलेगा। टीम में ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो विश्व कप नहीं जीत सके और उनके लिये यह फाइनल विश्व कप से कम नहीं होगा। भारतीय टीम के पास कप्तान विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और आजिंक्य रहाण जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं स्पिनर आर अश्विन इस मैच में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

न्यूजीलैंड के पास डब्लयूटीसी खिताब जीतने का अवसर : वाटलिंग

साउथेम्प्टन । न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज बीजे वाटलिंग ने कहा है कि उनकी टीम के पास आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा है कि इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज में मिली जीत से टीम ने लय हासिल कर ली है। वाटलिंग ने कहा, यह स्पष्ट रूप से खिताब जीतने का एक बड़ा अवसर है, लेकिन मुझे लगता है कि हम जो कर रहे हैं वह इस गर्मी में घर पर खेल जीतना और फिर इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज जीतना, यह निश्चित रूप से शानदार रहा है। उन्होंने कहा, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे और उस फॉर्म को जारी रखने का प्रयास करेंगे। डब्ल्यूटीसी फाइनल वाटलिंग के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि यह उनका आखिरी टेस्ट होगा। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलेंगे। उन्होंने कहा, मैं बस एक और टेस्ट मैच खेलने के लिए उत्सुक हूं। यह रोमांचक है और मैं निश्चित रूप से फाइनल में पहुंचने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं बस इसमें जा रहा हूं जैसे कि मैं हर दूसरे टेस्ट के लिए जाता हूं, इससे गुजरना टेस्ट मैच जीतने की कोशिश की प्रक्रिया है।

कई प्रकार से अटैक करता है माइग्रेन

चारू (बदला हुआ नाम) को अक्सर सुबह उठते ही सिरदर्द होने लगता था। सिरदर्द की उत्तेजना इतनी अधिक होती थी कि उसे किसी तरह से आराम नहीं मिलता था। कभी-कभी तो वह अपना सिर दीवार में मारने लगती थी। तो, हारकर उसने डाक्टर को दिखाया तब पता चला कि वह सिरदर्द की ऐसी समस्या से ग्रस्त है जो कि जीवन भर उसका साथ नहीं छोड़ेगी। असल में, वह माइग्रेन की चपेट में आ चुकी थी। दर्द हमारे जीवन का एक अभिन्न भाग है। हर कोई कभी न कभी, कहीं न कहीं तो किसी न किसी प्रकार के दर्द से अवश्य ही जूझता है। कमर दर्द, दांत दर्द, पैर दर्द, गर्दन दर्द तो ऐसे आम दर्द हैं, जिनकी शिकायत रोजाना सुनने को मिल सकती है। ऐसा ही एक आम तौर पर उभरने वाला दर्द है-सिरदर्द। हम अक्सर ही सिरदर्द से परेशान हो जाते हैं। वैसे तो सिरदर्द को सामान्य ही समझा जाता है, लेकिन हर केस में अक्सर होने वाला सिरदर्द आम नहीं होता है। माइग्रेन साधारतणः सिर व गर्दन में हल्के दर्द के साथ शुरू होता है और बढ़ते-बढ़ते सिर के एक हिस्से में पहुंच जाता है। यह सामान्यतः कुछ घंटों में दूर हो जाता है और इस के लक्षणों में जी मचलना, उल्टी होना, रोशनी को देखकर घबराहट होना, शोर या किसी भी प्रकार की खुशबू से चिढन होना, गर्दन या कंधे में दर्द या उन्हें मोडने में दर्द होना, दृष्टि संबंधी समस्याएं, पेट में गड़बड़ी, उबासी लेने में दबाव, मुंह का सूखना व कपकपी उठना आदि शामिल हैं। ऐसे कारक जिनसे माइग्रेन सिरदर्द उत्पन्न होने के खतरे अधिक रहते हैं- चाकलेट, शराब, चीज, नट्स का सेवन, दुर्गंध, हार्मोनल बदलाव, शोर-शराबा, तेज रोशनी, भावनात्मक तनाव, मौसम में बदलाव, सोने के तरीकों में बदलाव, व्यायाम, धूम्रपान, आहार को मिस करना। माइग्रेन के भी कई प्रकार होते है। विभिन्न प्रकार के माइग्रेन-

साधारण माइग्रेन-

यह ऐसा सिरदर्द होता है जो कि बिना किसी आहट के शुरु होता है। इस सिरदर्द के शुरु होने से पहले इसके कोई लक्षण नहीं उभरते हैं जैसा कि अन्य प्रकार के माइग्रेन में होता है।

क्लासिक माइग्रेन-

इसमें सिरदर्द शुरु होने से पहले कई अन्य लक्षण उभरने लगते हैं जैसे धुंधली दृष्टि, ठीक से सुनाई न देना, देखते समय अजीब-अजीब सी आकृतियों का दिखाई देना आदि। सिरदर्द शुरु होने से तकरीबन आधा घंटा पहले ये लक्षण उभर सकते हैं।

रीबाउंड सिरदर्द

जब भी पीडित के शरीर पर दवाइयों के डोज का असर न हो और सिरदर्द बरकरार रहे तो डोज बढ़ाकर ली जाती है। इससे कुछ समय तक तो उन दवाइयों का असर दिखता है, लेकिन आगे चलकर दवाइयों को बढ़ाया डोज का भी कोई प्रभाव नहीं होता है। तो, सिरदर्द बार-बार उभरने लगता है व माइग्रेन के लक्षण और भयानक होने लगते हैं। एक सप्ताह में यह दर्द दो से तीन बार तक हो सकता है।

ओक्युलर माइग्रेन-

इस माइग्रेन के दौरान आंखों की रक्तवाहिनियां प्रभावित होती हैं न कि सिर की कोई रक्तवाहिनी। इससे पीडित को देखने में समस्या होती है। आंखों में अजीब सा प्रकाश दिखने लगता है। ये समस्या 15 से 20 मिनट तक रहती है फिर सब सामान्य हो जाता है लेकिन बहुत से लोगों को इसके बाद हल्के सिरदर्द की शिकायत होती है।

आफ थामोलजिक सिरदर्द-

इसका संबंध भी आंखों की मध्य नसों से ही होता है। इसमें सिरदर्द भी होता है और पीडित को उल्टी भी होती है। जैसे-जैसे सिरदर्द बढ़ता है वैसे-वैसे आंखों की कुछ नसें पैरालिटिक हो जाती हैं। ऐसे में, आंखों की पलकें लटक जाती हैं। कई सप्ताहों तक वे ऐसे ही लटकी हुई प्रतीत होती हैं।

सिरदर्द रहित माइग्रेन-

इस प्रकार में पीडित को सिरदर्द तो नहीं होता, बल्कि अन्य लक्षण थोड़ी देर के लिए परेशान कर सकते हैं। ये उन लोगों को होता है, जिनका इतिहास माइग्रेन से ग्रस्त रहा हो।

बेसिलियर आर्टरी-

इसमें मस्तिष्क की धमनी में दर्द की वजह से सिरदर्द उत्पन्न हो सकता है। इससे बोलने व देखने में तकलीफ हो सकती है। बड़ों से ज्यादा बच्चे इससे प्रभावित होते हैं।

कैरोटीडिनिया-

इसमें चेहरे का आधा भाग प्रभावित होता है जैसे जॉलाइन व गर्दन का भाग। यह दर्द तीव्र व भयानक भी हो सकता है या फिर कम व हल्का भी हो सकता है। कैराटिड रक्तवाहिनी में सूजन भी हो सकती है। यह बुजुर्ग लोगों में अधिक पाया जाता है। इसका असर कई घंटों तक रह सकता है और यह सप्ताह में एक से ज्यादा बार तक हो सकता है। माइग्रेन के उचित उपचार के लिए कुछ परीक्षणों की आवश्यकता होती है, जिसमें रक्त की जांच, ब्रेन स्कैनिंग (सी टी या एम आर आई तथा स्पाइनल टेप) शामिल हैं।

मरीजों के लिए याद रखने योग्य बातें-

डॉ. अमिताभ गुप्ता का कहना है कि समय पर सोना व जगना चाहिए। नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। बहुत ज्यादा देर तक भूखे नहीं रखना चाहिए। तनाव को नियमित व्यायाम के द्वारा नियंत्रित करना चाहिए। बहुत तेज व चुभने वाली रोशनी से बचना चाहिए। उन चीजों को पहचान कर उनसे बचना चाहिए, जिनसे ये समस्या होने की संभावना हो। आप के डाक्टर को माइग्रेन के इलाज प्रणाली से पूरी तरह परिचित होना चाहिए। दवाओं के बुरे प्रभावों को ध्यान में रखकर दवाएं दी जानी चाहिए। पहले दवाओं को कम मात्रा में शुरू करके धीरे-धीरे इसकी मात्रा को बढ़ाया जाना चाहिए। इससे दवाओं के बुरे प्रभाव को कम किया जा सकता है। हालांकि कोई भी सिरदर्द बेवजह उत्पन्न नहीं होता है और यह भी जरूरी नहीं कि हर बार उसका कारण साधारण ही हो। ऐसे में, केवल दर्दनाशक दवा का सेवन कर सिरदर्द के प्रहार को उस क्षण के लिए तो खत्म किया जा सकता है, लेकिन उससे होने वाले लंबे समय के परिणामों को तो रोका नहीं जा सकता, जो कि शरीर की गतिविधियों पर गलत ही प्रभाव डालते हैं जैसे उच्च व निम्न रक्तचाप हृदय व फेफेड़ों में परेशानी, मस्तिष्क विकार, नींद की कमी, नपुंसकता, पौष्टिक अल्सर, गैस विकास, गुर्दे व लीवर खराब होना इत्यादि। तो, अगली बार जब भी आप सिरदर्द को दूर करने के लिए किसी भी दर्दनाशक दवा का सेवन करें तो उससे पहले इन दुष्प्रभावों के बारे में जरूर सोचें और डाक्टरी सलाह लेने में न हिचकें। माइग्रेन लिंगभेद का प्रमाण देते हुए औरतों पर अधिक प्रहार करता है, क्यों कि डाक्टरों के पास आने वाले माइग्रेन के मरीजों में औरतों की संख्या अधिक है। किंतु दुर्भाग्यवश माइग्रेन से पीडित चार में से एक औरत ही इसका उपचार कराती है। अन्य औरतों को जब माइग्रेन अटैक पड़ता है तो वे दर्दनाशक को अपना साथी समझ उसका सेवन करती रहती हैं और जानकारी के अभाव में अधिकतर औरतें इस दर्द के साथ केवल दर्दनाशक दवाइयों का सेवन करते हुए जी रही हैं।

चुटकी भर काले जीरे से ऐसे कम करिए अपना वजन

पतला होना यानि की मोटे शरीर से स्लिम-ट्रिम होना कौन नहीं चाहता और इसके लिए लोग खासी मशक्त भी करते हैं। सुबह-सुबह उठकर जिम जाना कई किलोमीटर तक भाग-भागकर पसीना बहाना तब जाकर कहीं इस मोटापे से छुटकारा मिलने के आसार नजर आते हैं। और उसके बाद वही उबला हुआ बेस्वाद खाना। कभी आपने सोचा तो जरूर होगा कि क्या किसी हाजमे को ठीक करने वाले चूरन की तरह इस मोटी चर्बी वाले शरीर के लिए भी कोई चूरन बना होता तो क्या बात होती। खैर अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है, क्योंकि अभी भी एक ऐसी चीज है जिसे चुटकी भर खाने के बाद आपको किसी भी जिम में पसीना बहाने की जरूरत नहीं महसूस होगी। खासकर लड़कियों को जिनके लिए अपने पूरे दिन का शेड्यूल मैनेज करना बहुत ही मुश्किल होता है।

यकीन मानिए इसे खाने के बाद आपको किसी भी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होगा। यह हर करह से फायदेमंद है। दरअसल हम बात कर रहे है खाने में इस्तेमाल होने वाले काले जीरे की, जिसे अक्सर पेट दर्द में भी हम खा लिया करते है। रसोई घर में ज्यादातर इसका इस्तेमाल होता है और यह आसानी से आपको हर में मिल जाएगा।

इसके बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं हासिल होता उन्हें, लेकिन अब जीरा वजन कम करने में आपकी मदद करेगा। खाने के स्वाद को बढ़ाने वाला जीरा, खासतौर से दाल में डालने वाला जीरा हर किसी को पसंद है। कुछ लोग चावल पकाते समय भी जीरे का प्रयोग करते हैं, क्योंकि इसके खुशबू भी काफी अच्छी लगती है जो पकवान की सुगंध को बढ़ा देती है।

वजन कम करने के साथ साथ यह बहुत सारी अन्य बीमारियों से भी बचाता है, जैसे कोलेस्ट्रॉल कम करता है, हार्ट अटैक से बचाता है, स्मरण शक्ति बढ़ाता है, खून की कमी को ठीक करता है, पाचन तंत्र ठीक कर गैस और ऐंठन ठीक करता है।

दो बड़े चम्मच जीरा एक गिलास पानी मे भिगो कर रात भर के लिए रख दें। सुबह इसे उबाल लें और गर्म-गर्म चाय की तरह पियें। बचा हुआ जीरा भी चबा लें। इसके रोजाना सेवन से शरीर के किसी भी कोने से अनावश्यक चर्बी शरीर से बाहर निकल जाती है।

लेकिन ऐसी भी होता है कि कई लोगों को इसका टेस्ट पसंद नहीं आता वो इसे सादा खाना पसंद नहीं करते तो आप एक काम कर सकते हैं कि जब भी कुछ पकायें तो जीरा पाऊडर उसमे मिला लिजिए। इसका इस्तेमाल खाने में रोजाना करें तो ज्यादा बेहतर है।

इसके अलावा. आप 5 ग्राम दही में एक चम्मच जीरा पाउडर मिलाकर यदि इसका रोजाना सेवन करें, एक हफ्ते के अंदर-अंदर आपको फर्क महसूस होने लग जाएगा। 3 ग्राम जीरा पाउडर को पानी में मिलाएं इसमें कुछ बूंदें शहद की डालें फिर इसे पी जाएं। वेजिटेबल यानि सब्जियों के उपयोग से सूप बनाएं, इसमें एक चम्मच जीरा डालें। या फिर ब्राउन राइस बनाएं इसमें जीर डालें यह सिर्फ इसका स्वाद ही नहीं बढ़ाएगा बल्कि आपका वजन भी कम करेगा।

अदरक और नींबू दोनों जीरे की वजन कम करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इसके लिए गाजर और थोड़ी सब्जियों को उबाल लें इसमें अदरक को कद्दूकस यानि कि बिल्कुल बारीक कर लें, साथ ही ऊपर से जीरा और नींबू का रस डालें और इसे रात में खाएं।

जीरे में मौजूद पोषक तत्व और एंटीऑक्सीकडेंट आपकी पाचन शक्ति को बढ़ाता है, जिस से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है। यह चर्बी ही तो मोटापे को दावत देती है। जिसे जीरा आसानी से खत्म कर देता है। इसके अलावा जीरा खाने को पचाने में मदद करता है जिससे गैस कम बनती है। जीरा गैस को बनने से रोकता है जिससे पेट और आंतों में अच्छे से खाना पच जाता है।

गर्भावस्था के दौरान कुछ ब्यूटी टिप्स से बरतें सावधानी

खूबसूरत दिखने की चाहत और हाइजीन से जुड़ी आवश्यकताएं, महिलाओं को हर महीने पार्लर का चक्कर जरूर लगवाती हैं। ऐसे में कई बार गर्भावस्था के दौरान पार्लर में कौन से चीजें कराएं और कौन सी नहीं, महिलाओं के लिए अक्सर चिंता का विषय रहता है। ऐसे में जानिए, ऐसे ब्यूटी ट्रीटमेंट के बारे में, जिन्हें गर्भावस्था के शुरुआती महीनों के दौरान करवाना जच्चा और बच्चा, दोनों की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

खास किस्म के उत्पाद

फेशियल के लिए तमाम तरह की क्रीम, स्क्रब, क्लींजर आदि का इस्तेमाल सामान्य तौर पर त्वचा की सफाई के लिए जरूरी है लेकिन कई बार गर्भावस्था के दौरान इनके इस्तेमाल से समस्याएं हो सकती हैं। इन ब्यूटी ट्रीटमेंट के कारण त्वचा पर रैशेज, इचिंग जैसी कोई भी समस्या हो सकती है जिसके उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं गर्भावस्था के दौरान नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसके अलावा, स्पा, फेशियल और बॉडी मसाज भी गर्भावस्था के दौरान रक्त संचार को प्रभावित करते हैं जिससे गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है।

गर्म तापमान वाली प्रक्रियाएं

गर्भावस्था के दौरान गर्म तापमान वाली चीजों से दूरी बरतना जरूरी है। ऐसे में इस दौरान जो महिलाएं पार्लर में सौना बाथ, स्टीम बाथ, हॉट टब्स जैसे स्पा लेती हैं, वे गर्भावस्था के दौरान इनसे बचें। यहां तक कि गर्म वैक्सिंग की प्रक्रिया भी गर्भावस्था के शुरुआती महीनों में नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में गर्म वैक्स के बजाय औप कोल्ड वैक्स या हेयर रिमूवर क्रीम आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म तापमान के संपर्क में आने से शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे गर्भपात का रिस्क बढ़ जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि गर्भावस्था के दौरान इलेक्ट्रोलाइटिंस और लेजर ट्रीटमेंट का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

पेडिक्योर और मसाज

गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर और मसाज आदि भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। पैर की एड़ी में ऐसे कई प्वाइंट्स हैं जिन पर मसाज करने से यूट्रस में सिकुड़न हो सकती है। बॉडी पॉलिश कॉस्मेटिक्स भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर, मैनीक्योर व बॉडी मसाज से बचना ही समझदारी है।

गर्मी से परेशान हर किसी का मन बारिश की फुहार पड़ते ही खुश हो जाता है। बच्चों और महिलाओं को तो बारिश में भीगने में भी बहुत मजा आता है। लेकिन इस खुशनुमा मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही बरतने, साफ-सफाई का ध्यान न रखने पर, बीमारियों की चपेट में आने की संभावना रहती है, कई तरह के इंफेक्शन भी होते हैं। लेकिन इनसे बचाव भी संभव है, बस आपको थोड़ा सजग रहने की जरूरत है।

इंफेक्शन से बचने के लिए क्या करें?

बारिश में रिंगवॉर्म यानी दाद-खाज की प्रॉब्लम बड़े-छोटे सभी को होती है। पसीना ज्यादा आने, मॉयश्चर रहने, गीले कपड़े पहनने, कपड़ों में साबुन के पार्ट रहने से ऐसा हो सकता है। इनमें रिंग की तरह रैशेज होते हैं, जो अंदर से साफ होते हैं और बाहर की तरफ फैलते जाते हैं, इनमें खुजली होती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे में फैल सकते हैं। महिलाओं में वैजाइनल फंगल इंफेक्शन भी बरसात के मौसम में बहुत ज्यादा होता है। इससे वैजाइना एरिया में ईचिंग रहती है और इंटरकोर्स में दिक्कत आती है। जहां तक हो सके फंगल इंफेक्शन से प्रभावित त्वचा को स्वच्छ और सूखा रखें। डॉक्टर की सलाह पर एंटी फंगल क्रीम लगाएं और दवा लें।

एथलीट्स फुट इन्फेक्शन से कैसे बचें?

बारिश के मौसम में बहुत ज्यादा बैली पहनने वाली महिलाओं के पैरों में यह इंफेक्शन हो सकता है। उनके पैरों की अंगुलियों के बीच की स्किन गलने लगती है। ध्यान न देने पर यह इंफेक्शन नाखून तक फैल जाता है और पैरों की स्किन सफेद पड़ जाती है। पैरों की नियमित सफाई करें। जितना हो सके पैरों को हवा लगाएं, पावडर डालें। खुले सैंडल या आरामदायक फुटवियर पहनें, जिससे पैरों को हवा मिलती रहे और वे सूखे रहें। डॉक्टर के परामर्श से दवाई लें।

बालों में फंगल इंफेक्शन से कैसे बचें?

बारिश में भीगने, गीले होने, पसीने से तर-बतर होने या मॉयश्चर अधिक होने के कारण इस मौसम में बाल भी अछूते नहीं रहते हैं। उनमें भी फंगल इंफेक्शन हो जाता है। बालों में फंगल इंफेक्शन हर उम्र की महिला या व्यक्ति को हो सकता है। जिससे बालों में डेंड्रफ हो जाती है, बालों की जड़ें कमजोर पड़ जाती हैं और बाल झड़ने की समस्या भी आ जाती है। जहां तक संभव हो बालों को साफ-सुथरा और सूखा रखें। ऑयल कम लगाएं। अगर जरूरत हो तो सिर धोने से पहले ऑयल लगा लें। माइल्ड एंटी डेंड्रफ शैंपू यूज करें। सिर धोने के बाद एक नीबू का रस एक मग पानी में घोलें और इससे फिर बालों को धो लें। यह बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करेगा और बरसात के मौसम में बालों का मॉयश्चर कम करेगा।

गैस्ट्रोइंटराइटिस इंफेक्शन से कैसे बचें?

बारिश के मौसम में खाने-पीने की चीजों में आसानी से बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। दूषित खाना या गंदा पानी पीने से, या आइसक्रीम, चुस्की, जूस पीने से पेट में गैस्ट्रोइंटराइटिस इंफेक्शन यानी डायरिया हो जाता है। इसमें रोटावायरस और नोरोवायरस नाम के वायरस इंफेक्शन फैलाते हैं। सबसे ज्यादा बच्चों का डाइजेस्टिव सिस्टम प्रभावित होता है।

इस मौसम में खाने में थोड़ी-सी भी लापरवाही या ठीक से न बनाया गया खाना खाने की वजह से बच्चे डायरिया की चपेट में आ सकते हैं। डायरिया में मरीज को दिन में 4-5 बार पतले दस्त आते हैं। डिहाइड्रेशन हो जाता है, उल्टियां भी हो सकती हैं। पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द, मरोड़ के साथ दस्त, तेज बुखार, टॉयलेट में खून आना, बहुत कमजोरी होना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

पीड़ित ओआरएस का घोल या नमक-चीनी की शिकंजी लगातार देते रहें। प्रोबॉयोटिक्स दही लें। उल्टी रोकने और दस्त रोकने के लिए डॉक्टर से कंसल्ट करके दवा लें। पेट में मरोड़ के लिए भी दवाई दी जाती है। इसके साथ मरीज को आधा-एक घंटे के गैप में नारियल पानी, नीबू पानी, छाछ, दाल का पानी के साथ-साथ खिचड़ी, दलिया जैसा हल्का-फुल्का खाना भी दें। बहुत ठंडा पानी पीने, बाहर की आइसक्रीम खाने या बाहर का खाना खाने से बचें। हाईजीन का भी ध्यान रखना चाहिए।

मानसून इंफेक्शन से बचने के लिए क्या करें?

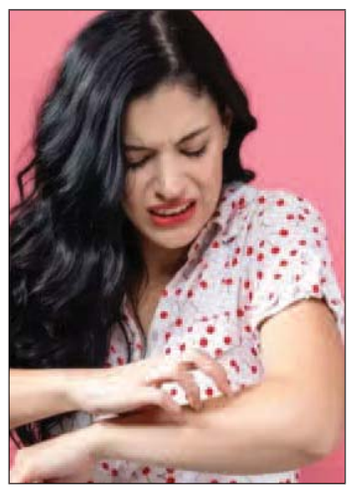

कमाल की इम्यूनिटी बूस्टर है काली मिर्च

टमाटर काली मिर्च सूप रहेगा सही : आप काली मिर्च को टमाटर सूप में मिलाकर सेवन कर सकती है। टमाटर का सूप एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन आदि पोषक गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से शरीर को अंदर से मजबूती मिलने के साथ तनाव कम होने में मदद मिलेगी। वहीं काली मिर्च को टमाटर सूप में मिलाने से शरीर को गर्मी मिलेगी। साथ ही इम्यूनिटी तेजी से बूस्ट होगी।

ऐसे बनाएं सूप : 2-3 टमाटर, काली मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच पिसी, अदरक- 1 इंच टुकड़ा, लहसुन की कलियां- 3-4, दालचीनी की छड़ी- 1 इंच, प्याज- 25 ग्राम, नमक- स्वाद अनुसार, तेल- 1 बड़ा चम्मच, पानी- जरूरत अनुसार।

विधि: इसे बनाने के लिए पैन में पानी, अदरक, टमाटर, दालचीनी और काली मिर्च पाउडर डालकर उबालें। मिश्रण के ठंडा होने पर इसे पीस लें। अब अलग पैन में तेल गर्म करके लहसुन और प्याज भूनें। फिर टमाटर का मिश्रण और नमक डालकर कुछ देर उबालें। तैयार सूप को सर्विंग बाउल में निकाल कर थोड़ी सी काली मिर्च डालकर सर्व करें।

काली मिर्च की चाय भी रहेगी सही : आप चाहे तो काली मिर्च की चाय भी बना कर पी सकती है। इससे इम्यूनिटी बढ़ेगी। वहीं काली मिर्च मेटाबॉलिज्म तेज करने में मदद करती है। इससे शरीर में जमा एक्सट्रा चर्बी कम होने में मदद मिलेगी। वहीं सर्दी, खांसी, जुकाम आदि मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। ऐसे में आप एकदम फिट एंड फाइन महसूस करेंगे।

ऐसे बनाएं चाय : पानी 2 कप, काली मिर्च- 4-5 (पीसी हुई), नींबू का रस 1 छोटा चम्मच, अदरक- 1 छोटा टुकड़ा।

विधि: काली मिर्च की चाय बनाने के लिए पैन में सभी चीजों मिलाकर 5 मिनट तक उबालें। फिर इसे कुछ देर पानी में भीगे रहने दें। बाद में चाय को छानकर गर्मागर्म पीने का मजा लें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हांगकांग के सुरक्षा कानून के तहत एप्पल डेली के संपादक गिरफ्तार, कार्यालय की तलाशी जारी

हांगकांग। हांगकांग पुलिस ने लोकतंत्र समर्थक अखबार 'एप्पल डेली'के प्रधान संपादक और चार अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बृहस्पतिवार को सुबह गिरफ्तार कर लिया और उनके कार्यालय की तलाशी ली। मीडिया में आयी खबर में यह जानकारी दी गयी है। एप्पल डेली को लोकतंत्र समर्थक रुख के लिए जाना जाता है और वह अक्सर शहर पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए चीन तथा हांगकांग सरकारों की आलोचना तथा निंदा करता रहता है। 2019 में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अर्धस्वायत्त चीनी शहर में असंतुष्टों पर कार्रवाई के सिलसिले में यह ताजा कदम है। एप्पल डेली, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट और अन्य स्थानीय मीडिया के अनुसार, एप्पल डेली के प्रधान संपादक रयान लॉ, नेक्स्ट डिजिटल के सीईओ चेउंग किम-हुंग, द पब्लिशर के मुख्य संचालन अधिकारी और दो अन्य संपादकों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार ने कहा कि पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के ''उल्लंघन के संदेह'' पर एक कंपनी के पांच निदेशकों को गिरफ्तार किया। बयान के अनुसार, 47 से 63 वर्ष की आयु के बीच के चार पुरुषों और एक महिला को ''विदेश या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले बाहरी तत्वों'' के साथ मिलीभगत के संदेह में गिरफ्तार किया गया। एप्पल डेली के कार्यालयों में 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों ने तलाशी ली और सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के संदिग्ध उल्लंघन के सबूत की तलाश में एक वारंट लिया गया था।

पुर्तगाल में फिर बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले, फरवरी के बाद सबसे ज्यादा 1350 नए केस

लिस्बन। पुर्तगाल में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर सरकार बृहस्पतिवार को महामारी संबंधी नियमों की समीक्षा करेगी। यहां पर बुधवार को संक्रमण के 1,350 नए मामले सामने आए, जो फरवरी माह के बाद से सबसे ज्यादा हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में सबसे पहले सामने आया कोरोना वायरस का 'डेल्टा' स्वरूप मामले बढ़ने की वजह हो सकता है। नए मामलों में से सबसे ज्यादा करीब एक हजार मामले लिस्बन क्षेत्र से सामने आए हैं। जनवरी में पुर्तगाल कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित देश था, जहां प्रतिदिन संक्रमण के 16,000 से अधिक मामले सामने आ रहे थे, करीब 7,000 लोगअस्पतालों में भर्ती थे और करीब एक हजार लोग आईसीयू में थे। अब यहां के अस्पतालों में कोरोना वायरस के 351 मरीज हैं, जिनमें से 83 गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती हैं। पुर्तगाल ने 1.03 करोड़ की आबादी में से 42 फीसदी को कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक दी गई है और 25 फीसदी लोगों को दोनों खुराक दी जा चुकी है।

चीन की अंतरिक्ष उड़ान शुरू, स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए तीन चीनी अंतरिक्षयात्री

जियुक्वान (चीन)। चीन ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों को बृहस्पतिवार को अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना कर दिया जहां वे तीन महीने तक रहेंगे। पांच साल में चीन का यह पहला मिशन है जिसमें उसने इंसान को अंतरिक्ष में भेजा है। ये अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष यान 'शेनझोउ-12' में सवार हैं, जिसे उत्तरी-पश्चिम जियुक्वान प्रक्षेपण केन्द्र से सुबह नौ बजकर 22 मिनट के कुछ देर बाद प्रक्षेपित किया गया। इस यान को लॉन्ग मार्च-2एफ रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। ये तीन यात्री निए हैशेंग, लियु बोमिंग और तांग होंग्बो हैं। अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर जाने वाला यह पहला चीनी मिशन है। चीनी अंतरिक्ष स्टेशन के अगले साल तक तैयार होने की संभावना है।

कार से हमला करने की कोशिश के बाद फिलिस्तीनी महिला को मारी गोली

येरुशलम। वेस्ट बैंक में एक फिलिस्तीनी महिला ने कार से हमला करने का प्रयास किया, जिसके बाद इजरायली सैनिकों ने महिला को गोली मार दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, यह घटना बुधवार को येरुशलम के उत्तर-पूर्व में फिलीस्तीनी शहर हिज्मा के बाहर हुई। इजराइल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने बताया कि महिला की पहचान यरुशलम के पूर्व में एक शहर अबू दिस के 29 वर्षीय निवासी के रूप में हुई। एक इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि महिला हिज्मा से सटे एक स्थान पर चली गई, जहां सैनिक इंजीनियरिंग गतिविधि को सुरक्षित कर रहे थे और कार सैनिकों पर चढ़ाने व चाकू से हमला करने का प्रयास किया। बयान में कहा गया है, सैनिकों ने हमलावर को जवाब दिया और उसे ढेर कर दिया गया। इसी तरह की एक घटना में 12 जून को हुई थी, जहां हमास से जुड़ी 28 वर्षीय फिलिस्तीनी महिला ने हमला किया प्रयास किया था और इजरायली सेना ने उसे भी गोली मार दी थी।

जापान जुलाई में वैक्सीन पासपोर्ट जारी करना शुरू करेगा

टोक्यो। जापान ने जुलाई के मध्य से नगर पालिकाओं को वैक्सीन पासपोर्ट जारी करने की अनुमति देने की योजना बनाई है। शीर्ष सरकारी प्रवक्ता ने गुरुवार को दस्तावेजों को शीघ्र जारी करने की जानकारी दी। मुख्य कैबिनेट सचिव कात्सुनोबु काटो ने एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, दस्तावेज शीघ्र जारी करने की तैयारी के लिए, हम पहले कागज द्वारा टीकाकरण प्रमाण पत्र जारी करेंगे, लेकिन डिजिटल प्रारूप में जारी करने पर भी विचार करेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले से परिचित सूत्रों के अनुसार, विदेशों में ऐसे लोगों के लिए अधिक गतिविधियां उपलब्ध हो रही हैं, जिनके पास यह प्रमाणित करने वाले दस्तावेज हैं कि उन्हें नोवेल कोरोनावायरस के खिलाफ टीका लगाया गया है।

बाइडेन-पुतिन बैठक: दोनों देशों के बीच बनी राजदूतों को वापस उनके पदों पर भेजने की सहमति

जिनेवा। (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार को एक ''रचात्मक'' शिखर बैठक में अपने देशों के राजदूतों को उनके पदों पर वापस भेजने और परमाणु हथियारों को सीमित करने वाले दोनों देशों के बीच अंतिम संधि को बदलने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमत हुए। पुतिन ने कहा कि वार्ता के दौरान ''कोई कटुता नहीं'' थी जो उम्मीद से कम समय में समाप्त हो गई। दोनों पक्षों ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक चार से पांच घंटे चलेगी लेकिन दोनों नेताओं के बीच बैठक तीन घंटे से भी कम समय चली। इसमें प्रारंभिक बैठक शामिल थी जिसमें दोनों राष्ट्रपति और दोनों के शीर्ष सहयोगी थे। बैठक समाप्त होने के बाद पुतिन ने अकेले ही संवाददाता सम्मेलन करके इसके परिणाम बताये जबकि बाइडन ने अलग से संवाददाताओं को संबोधित किया। पुतिन ने स्वीकार किया कि बाइडन ने उनके साथ मानवाधिकारों के मुद्दों को उठाया, जिसमें विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी का मामला भी शामिल था। पुतिन ने नवलनी की जेल की सजा का बचाव किया और रूसी विपक्षी नेताओं के साथ दुर्व्यवहार को लेकर बार-बार पूछे जाने वाले सवालों पर अमेरिका में घरेलू उथल-पुथल का उल्लेख किया जिसमें 'ब्लैक लाइव्स मैटर' विरोध प्रदर्शन और 6 जनवरी को कैपिटोल पर हुई हिंसा शामिल है। पुतिन ने कहा कि वह और बाइडन परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली नयी स्टार्ट संधि के 2026 में समाप्त होने के बाद इसे संभावित रूप से बदलने को लेकर वार्ता शुरू करने पर सहमत हुए। रूस द्वारा यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा करने और पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादियों केसमर्थन के जवाब में वाशिंगटन ने 2014 में मॉस्को के साथ वार्ता रोक दी थी। 2017 में वार्ता फिर शुरू हुई, लेकिन ट्रम्प प्रशासन के दौरान नयी स्टार्ट संधि को विस्तार देने में सफलता नहीं मिली। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके बीच अपने राजदूतों को उनकी संबंधित तैनाती पर वापस भेजने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने हाल के महीनों में संबंधों में गिरावट होने के चलते अपने शीर्ष राजदूतों को वाशिंगटन और मॉस्को से वापस बुला लिया था। अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंतोनोव को करीब तीन महीने पहले वाशिंगटन से वापस बुला लिया गया था जब बाइडन ने पुतिन को हत्यारा कहा था। रूस में अमेरिकी राजदूत जॉन सुलिवन ने करीब दो महीना पहले मास्को छोड़ दिया था। पुतिन ने कहा कि आने वाले दिनों में राजदूतों के अपने पदों पर लौटने की उम्मीद है। पुतिन ने यह भी कहा कि दोनों पक्ष साइबर सुरक्षा के मुद्दों पर परामर्श शुरू करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हैं। हालांकि उन्होंने अमेरिका के इन आरोपों का खंडन किया कि रूसी सरकार अमेरिका और दुनिया भर में व्यापार और सरकारी एजेंसियों के खिलाफ हाल के हाई-प्रोफाइल हैक के लिए जिम्मेदार थी। बाइडन और पुतिन के बीच बुधवार को बैठक एक झील के किनारे स्थित एक स्विस हवेली में हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई जब दोनों नेताओं ने कहा कि उनके देशों के बीच संबंध अब तक के निम्नतम स्तर पर हैं। बैठक शुरू होने से पहले दोनों नेता कुछ समय के लिए मीडिया के समक्ष आए और इसे दो महान शक्तियों के बीच की बैठक करार दिया तथा कहा कि आमने-सामने की बैठक हमेशा बेहतर होती है। पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक सार्थक रहेगी। हालांकि इस दौरान कैमरों के सामने दोनों नेता एक-दूसरे की तरफ सीधे देखने से बचते नजर आए।

अमेरिका ने हिंसा पीड़ित प्रवासियों को शरण देने संबंधी ट्रंप के कड़े नियमों को किया खत्म

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की उन दो नीतियों को समाप्त कर दिया, जिससे हिंसा से पीड़ित प्रवासियों का अमेरिका में शरण लेना मुश्किल हो गया था। अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने एक नई नीति जारी करते हुए कहा कि आव्रजन न्यायाधीश ट्रंप काल के उन नियमों का पालन करना बंद कर दें, जिन्होंने घरेलू हिंसा या किसी संगठन द्वारा की जा रही हिंसा का सामना कर रहे प्रवासियों के लिए अमेरिका में शरण लेना मुश्किल बना दिया है। यह कदम उनके लिए मानवीय सुरक्षा से जुड़े उनके मामलों को जीत में मदद करेगा। अप्रवासी अधिवक्ताओं ने भी व्यापक रूप से इसका स्वागत किया है।

अमेरिकी आप्रवासन परिषद में मुकदमेबाजी की कानूनी निदेशक केट मेलॉय गोएट्टेल ने कहा, '' इसके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह ट्रंप प्रशासन के, शरण लेने संबंधी सबसे खराब फैसलों में से एक था और इसे समाप्त करने की दिशा में यह पहला महत्वपूर्ण कदम है।'' अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के अपने कार्यालय तथा होमलैंड सिक्योरिटी विभाग को, शरण लेने को इच्छुक लोगों के समूह से जुड़े आव्रजन कानूनों की जटिलता को दूर करने के लिए मसौदा तैयार करने का आदेश देने के बाद, वह ये बदलाव कर रहे हैं।

रूस के विपक्षी नेता नवलनी के जेल में होने से चिंता में बाइडेन, पुतिन ने कहा- वह जेल की सजा के लायक

जिनेवा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी को जेल की सजा सुनाई गयी क्योंकि वह उसके ही लायक थे। पुतिन के कट्टर विरोधी माने जाने वाले नवलनी को जर्मनी से लौटने के बाद जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। नवलनी नर्व एजेंट हमले के कारण बीमार पड़ गए थे। उन्होंने इस हमले के लिए क्रेमलिन को जिम्मेदार ठहराया है।हालांकि रूस के अधिकारी इस आरोप को खारिज करते हैं। नवलनी को 2014 में गबन के एक मामले में दोषी करार दिये जाने के तहत मिली सजा के निलंबन के दौरान शर्तों का उल्लंघन करने पर फरवरी में ढाई वर्ष की कैद की सजा सुनाई गई थी।

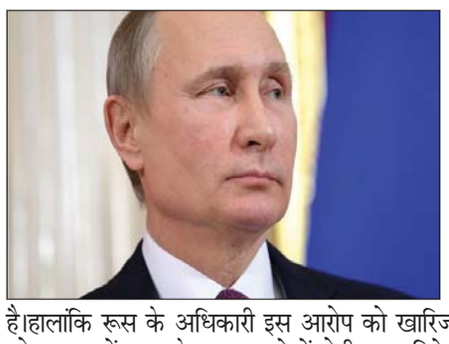

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बुधवार कोजिनेवा में शिखर सम्मेलन के बाद पुतिन ने कहा कि नवलनी को अपनी सजा की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए दंड मिलना था और जब वह रूस लौटे तब उन्हें यह पता था कि उन्हें जेल में डाला जाएगा। पुतिन ने कहा, ''वह गिरफ्तार होने के लिए जानबूझकर आए।'' पिछले हफ्ते मास्को की एक अदालत ने नवलनी द्वारा बनाए गए संगठनों को कट्टरपंथी करार देते हुए उन पर प्रतिबंध लगा दिया था।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी ने फिर निकाला कश्मीर का मुद्दा, संरा के शीर्ष अधिकारियों को लिखा पत्र

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों को एक और पत्र लिखा है जिसमें कश्मीर मुद्दे का उल्लेख किया गया है। यह जानकारी पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बुधवार को दी। विदेश कार्यालय ने कहा कि कुरैशी ने पत्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र महासचिव को संबोधित किया है। सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र महासचिव को नियमित रूप से पत्र लिखने वाले मंत्री ने अपने नवीनतम पत्र में आरोप लगाया है कि भारत फर्जी अधिवास प्रमाणपत्र जारी करके और अन्य उपायों के माध्यम से कश्मीर की जनसांख्यिकीय संरचना को बदल रहा है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से आग्रह किया कि वह भारत का आह्वान करे कि वह पांच अगस्त, 2019 और उसके बाद के अपने कदमों को पलटे।

उल्लेखनीय है कि भारत द्वारा पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त किये जाने के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। भारत के इस फैसले पर पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया जतायी थी।

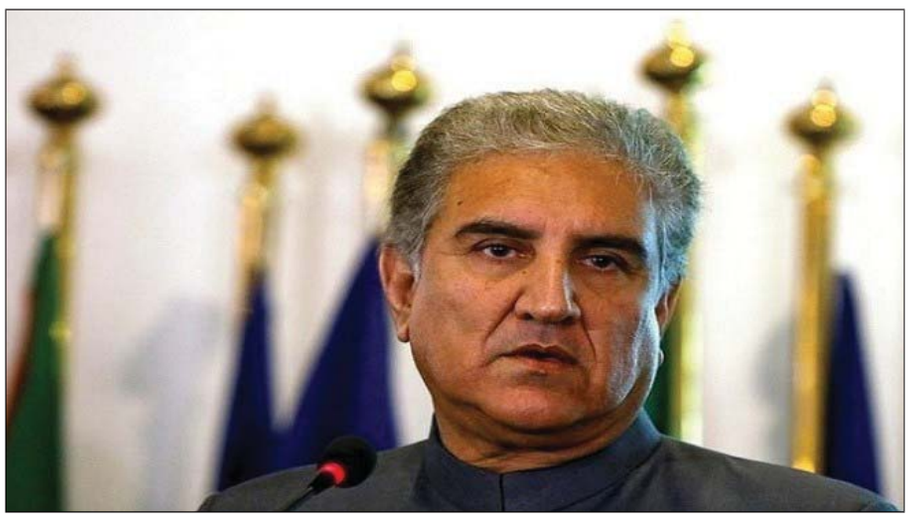

भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्पष्ट कहा है कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त करना उसका आंतरिक मामला है। भारत ने पाकिस्तान को वास्तविकता को स्वीकार करने और भारत विरोधी सभी दुष्प्रचार रोकने की भी सलाह दी थी। कुरैशी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है। विदेश कार्यालय ने कहा कि कुरैशी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि पाकिस्तान के साथ परिणामोन्मुखी संबंध के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की जिम्मेदारी भारत पर है। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा मुक्त वातावरण में इस्लामाबाद के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है।

सत्ता से हटे पर पीएम आवास में डटे बेंजामिन नेतन्याहू, घर न छोड़ने से शुरू हुईं अटकलें

यरूशलम (एजेंसी)।

इजरायल में सत्ता परिवर्तन हो गया है और 12 सालों तक प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन नेतन्याहू के हाथों से निकलकर अब कमान नए बने पीएम नफ्ताली बेनेटे के हाथों में चली गई है। हालांकि अब तक बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने सरकारी आवास को खाली नहीं किया है। इसके चलते तमाम तरह के कयास लगने लगे हैं कि आखिर वह कब तक अपने सरकारी आवास पर बने रहेंगे।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, येरूशलम में प्रधानमंत्री आवास के आसपास कभी-कभी आ रहे ट्रकों की पपराजी उत्सुकता से तस्वीरें लने लगते हैं। राजनीतिक कार्टूनिस्ट पूर्वी पीएम बेंजामिन नेतन्याहू, उनकी पत्नी सारा और बड़े बेटे याइर को अतिक्रमणकारी के रूप में चित्रित कर रहे हैं। नेतन्याहू 12 साल पुराने अपने आधिकारिक आवास को छोड़ने के अनिच्छुक हो सकते हैं, इस आशंका को उस समय बल मिला जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली की मेजबानी की।

अमेरिका की तरह यहां कोई निर्धारित समय नहीं है कि इरजाइल में प्रधानमंत्री के पद से विदाई के बाद कितने समय में आधिकारिक आवास को छोड़कर विजेता को देना है। अक्सर इसमें कई हफ्तों का समय लग सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि नेतन्याहूं के परिवार के पास कोई ठिकाना नहीं है। काइसारा में समुद्र किनारे स्थित उनका निजी आवास विकल्पों में से एक है। फिलहाल नेतन्याहू परिवार के पीएम आवास छोड़ने को लेकर अटकलें लग रही हैं और इसके पीछे कई वजहें भी हैं। नेतन्याहू ने अपने उत्तराधिकारी नफ्ताली बेनेट पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए 'फ्रॉड ऑफ सेंचुरी' बताया है। उन्होंने सत्ता में आए गठबंधन को 'खतरनाक लेफ्ट विंग' सरकार भी बताया है। बेंजामिन अपनी भूमिका को संघर्ष करने वाले विपक्षी नेता के रूप में स्वीकार किया है। ठीक उसी समय उन्होंने यह भी कहा है कि वह सत्ता में अनुमान से पहले वापसी कर लेंगे। इससे माना जा रहा है कि वह अपने परिवार को इसी आवास में रख सकते हैं, जिसके लिए विपक्षियों का आरोप है कि उन्होंने इसे महल में बदल लिया है।

जॉन केरी, सऊदी क्राउन प्रिंस जलवायु परिवर्तन समस्या पर ध्यान देने को प्रतिबद्ध

रियाद (एजेंसी)।

जलवायु पर अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन केरी और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने गंभीरता और तत्कालिकता के साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। बुधवार को अपनी बैठक के दौरान, केरी और सलमान ने उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ाने की पहल पर भी चर्चा की। एक संयुक्त बयान में, दोनों देशों ने जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे परिणामों से बचने के लिए 2020 के दौरान ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और अनुकूलन कार्रवाई करने के महत्व को पहचानते हुए सहयोग को तेज करने के अपने इरादे की पुष्टि की। विदेश विभाग ने कहा कि एक विस्तारित कार्यशाला में, ऊर्जा मंत्रालय ने 2030 तक अक्षय स्रोतों से 50 प्रतिशत बिजली उत्पादन हासिल करने और हाइड्रोजन और कार्बन कैप्चर प्रौद्योगिकियों को बढ़ाने के सऊदी अरब के घोषित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ठोस योजनाएं सामने रखीं। जलवायु के लिए अमेरिका के विशेष राष्ट्रपति दूत का पद संभालने के बाद केरी की किंगडम की यह पहली यात्रा थी।

कोरोना की तीसरी लहर से बच्चों को बचाना होगा संभव! दो टीकों के ट्रायल में मिली यह गुड न्यूज

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

मॉडर्ना का कोविड-19 टीका और प्रोटीन आधारित एक अन्य प्रायोगिक टीका बंदर की एक प्रजाति रीसस मैकाक के बच्चों पर किए गए शुरुआती परीक्षण में सुरक्षित और सार्स-कोव-2 वायरस से लड़ने में कारगर एंटीबॉडी बनाने वाले साबित हुए हैं। जर्नल साइंस इम्यूनोलॉजी में मंगलवार को प्रकाशित शोध संकेत करता है कि बच्चों के लिए टीका महामारी की भयावहता को कम करने में कारगर हथियार साबित हो सकता है।

अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क-प्रेस्बाइटेरियन कॉमनस्काई चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की सेली पर्मर ने कहा, कम उम्र के बच्चों के लिए सुरक्षित और प्रभावी टीके से कोविड-19 के प्रसार को सीमित करने में मदद मिलेगी। पर्मर ने कहा, संक्रमण रोकने के लिए लगाई गईं पाबंदियों से बच्चों पर कई और नकारात्मक असर पड़े। इसलिए बच्चे कोविड-19 से बचाए जाने के लिए टीके के हकदार हैं। शोधपत्र के मुताबिक, रीसस मैकाक प्रजाति के 16 नन्हें बंदरों में टीके की वजह से वायरस से लड़ने की क्षमता 22 हफ्तों तक बनी रही। शोधकर्ता इस साल टीके से लंबे समय तक संभावित सुरक्षा कवच उत्पन्न करने के लिए चुनौती पूर्ण अध्ययन कर रहे हैं।

अमेरिका स्थित नॉर्थ कैरोलिना विश्वविद्यालय में प्रोफेसर क्रिस्टीना डी पेरिस ने कहा, हम संभावित एंटीबॉडी का स्तर वयस्क मैकाक से तुलना कर देख रहे हैं। हालांकि, मैकाक के बच्चों को महज 30 माइक्रोग्राम टीके की खुराक दी गई जबकि वयस्कों के लिए यह मात्रा 100 माइक्रोग्राम थी। शोधकर्ताओं का दावा है कि दोनों ही टीकों के बाद नन्हें बंदरों में एंटीबॉडी विकसित हुईं और स्पाइक प्रोटीन विशिष्ट टी कोशिकाओं की उल्लेखनीय प्रतिक्रिया सामने आई।

बीमारी की गंभीरता को सीमित करने में अहम मॉडर्ना का टीका

डी पेरिस ने कहा, मॉडर्ना के टीके में हमने मजबूत टी कोशिका की प्रतिक्रिया देखी, जिसके बारे में हम जानते हैं कि यह बीमारी की गंभीरता को सीमित करने में अहम है। लगभग दो महीने की उम्र के मैकाक के 16 बच्चों को आठ-आठ के दो समूहों में बांटकर उनका टीकाकरण किया गया और इसके चार हफ्ते बाद पुनः टीका लगाया। प्रत्येक जानवर को मॉडर्ना एमआरएनए आधारित टीके का प्रीक्लीनिक प्रकार दिया गया या अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी ऐंड इन्फेक्शियस डिजीज (एनआईएआईएडी) द्वारा विकसित प्रोटीन आधारित टीका दिया गया।

प्रोटीन आधारित टीका

एमआरएनए आधारित टीका शरीर को वायरस की सतह का प्रोटीन पैदा करने का निर्देश देता है जिसे स्पाइक प्रोटीन भी कहते हैं। इससे मानव प्रतिरक्षण कोशिकाएं इन प्रोटीन की पहचान करती हैं और एंटीबॉडी पैदा करने के साथ प्रतिरक्षण के लिए अन्य उपाय करती हैं। एनआईएआईडी का टीका वास्तव में स्पाइक प्रोटीन है, जिसकी पहचान प्रतिरक्षण प्रणाली उसी प्रकार करती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विधायक ने भाजपा में शामिल होने के लिए 3 करोड़ की ऑफर दी : आप महिला नगर पार्षद

क्रांति समय दैनिक

सूरत,आम आदमी पार्टी (आप) की महिला नगर पार्षद ऋचा दुधागरा ने कामरेज से भाजपा विधायक वीडी झालावाडिया पर गंभीर आरोप लगाया है। ऋचा दुधागरा का आरोप है कि भाजपा में शामिल होने के लिए झालावाडिया ने उन्हें तीन करोड़ रुपए की ऑफर दी है। दुधागरा का यह भी कहना है कि उनके पति द्वारा भी भाजपा में शामिल होने का दबाव डाला गया। इस विवाद को लेकर उनके दांपत्यजीवन टूट गया और दोनों अलग हो चुके हैं। सूरत महानगर पालिका के वार्ड संख्या 3 से बड़े मार्जिन से जीत दर्ज करने वाली आप की महिला नगर पार्षद ऋचा दुधागरा ने भाजपा विधायक पर दल बदलने के लिए रुपयों

की ऑफर देने के गंभीर आरोप लगाकर सनसनी फैल दी है। आज पत्रकार परिषद में ऋचा दुधागरा ने कहा कि मेरी भव्य जीत के चलते पिछले काफी समय से कामरेज के भाजपा विधायक वीडी झालावाडिया अलग अलग व्यक्तियों को भेज मुझे भाजपा में शामिल होने की ऑफर दे रहे हैं। झालावाडिया ने भाजपा में शामिल होने पर तीन करोड़ रुपए की ऑफर भेजी है। इस मामले में दुधागरा ने अपने पति चिराग दुधागरा पर भी आरोप लगाने के साथ बताया कि उनके पति ऑफीर स्वीकार करने का दबाव डाल रहे थे। लेकिन उनके टस से मस नहीं होने पर चिराग ने पार्टी और समाज में बदनाम करने की साजिश भी रची। मजबूर होकर मैंने गत 21 मई को चिराग से अलग होने यानी डिवोर्स लेने का फैसला कर लिया। फिलहाल हम दोनों अलग हो चुके हैं। ऋचा दुधागरा ने आरोप लगाया कि चिराग दुधागरा रु 25 लाख लेकर भाजपा में शामिल हो गए हैं।

क्रेइन ऑपरेटर रोनक ट्रेडर्स के कर्मचारियों के पहचान पत्र बने विवाद का केन्द्र

क्रांति समय दैनिक

सूरत.शहर में नो पार्किंग झोन में पार्क वाहनों का टोइंग करने का ठेका रोनक ट्रेडर्स को दिया गया है। रोनक ट्रेडर्स ने अपने कर्मचारियों को जो आई कार्ड दिया है, उसमें सूरत शहर ट्रैफिक पुलिस और सिंबोल का उपयोग किया है। जिसे लेकर विवाद पैदा हो गया है। दरअसल सूरत शहर में सुचारु यातायात के लिए रोनक ट्रेडर्स नामक कोन्ट्रेक्टर को क्रेइन संचालन

का ठेका दिया गया है। रोनक ट्रेडर्स ने अपने 150 से अधिक कर्मचारियों को आई कार्ड जारी किया है। जिसमें सूरत पुलिस के सिम्बोल के साथ ही सूरत शहर ट्रैफिक पुलिस का उल्लेख किया गया है। अस्थायी कर्मचारियों को इस प्रकार पुलिस के नाम और सिम्बोल का उपयोग कर आई कार्ड जारी करने को लेकर विवाद पैदा हो गया। हांलाकि विवाद बढ़ता देख रोनक ट्रेडर्स ने कर्मचारियों को जारी आई कार्ड वापस लेने शुरू कर दिए होने की खबर है। यह मुद्दा पुलिस बेडे में भी चर्चा का विषय बन गया है। पुलिसकर्मियों में भी चर्चा है कि कोन्ट्रेक्ट के तहत काम करने वालों को इस प्रकार पुलिस के नाम और सिम्बोल के साथ आई कार्ड जारी करने अनुचित और गैरकानूनी है। जानकारी के मुताबिक रोनक ट्रेडर्स को शहर के सभी क्षेत्रों में अनाधिकृत रूप से पार्क फोर व्हीलर और टू व्हीलर को टोइंग करने का कोन्ट्रेक्ट मिला है। वर्तमान में रोनक ट्रेडर्स की 22 क्रेइन में करीब 200 से अधिक कर्मचारी कोन्ट्रेक्ट के तहत काम करते हैं। अस्थायी कर्मचारियों को पुलिस का नाम और सिम्बोल का उपयोग कर आई कार्ड जारी करने से इसका दुरुपयोग होने की आशंका जताई जा रही है। देखना होगा कि इस मामले में रोनक ट्रेडर्स के खिलाफ पुलिस कोई कार्यवाही करती है या नहीं।

24 घंटों में राज्य की 90 तहसीलों में बारिश, रविवार तक रहेगा बरसाती मौसम

क्रांति समय दैनिक

भीषण गर्मी और उमस के बीच बुधवार को राज्य की कई तहसीलों में बारिश से मौसम ठंडा हो गया। 24 घंटों में राज्य की 90 तहसीलों में बारिश हुई। जिसमें सबसे अधिक आणंद में ढाई और खेडा के वसो में 2.4 ईंच जितनी बारिश हुई। अहमदाबाद में बुधवार को दिनभर आसमान में बादलों का जमावडा रहा और देर शाम गरज के साथ तेज बारिश होने से शहर के कई निचले इलाकों मे जलजमाव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। बारिश होने से गर्मी और उमस से परेशान लोगों के थोड़ी राहत जरूर मिली है। अहमदाबाद में करीब दो घंटे में औसत पौने ईंच बारिश हुई। सबसे अधिक शहर के पूर्वी क्षेत्र मेम्को में 3 ईंच और नरोडा में ढाई बारिश होने से पूरा क्षेत्र पानी पानी हो गया। कुछ ऐसी ही स्थित शहर के अन्य इलाकों में दिखी। वहीं सूरत जिले की ओलपाड और मांगरोल में मूशलाधार बारिश हुई। जबकि किम, कोसंबा,पालोद, कठोदरा, तरसाडी इत्यादि में छुटपुट बारिश हुई। कई जगह तेज हवा के साथ बारिश होने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात में अगले तीन बारिश होने की संभावना है। दक्षिण गुजजरात के नवसारी और तापी जिले में बारिश हुई है। नवसारी के जलालपोर समेत कई जगह मध्यम बारिश होने से किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। हांलाकि किसानों को अब भी बुवाई योग्य बारिश की दरकार है। तापी जिले के व्यारा, वालो और डोलवण इत्यादि में बारिश हुई है। कई मध्यम तो कहीं भारी बारिश हुई।

सार-समाचार

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 जून से दो दिन गुजरात दौरे पर आएंगे

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो महीने बाद आगामी 20 जून को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आएंगे। अमित शाह 20 और 21 जून को अपने संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों का लोकार्पण करने के साथ ही टीकाकरण कार्यक्रम को प्रोत्साहित करेंगे। जानकारी है कि अमित शाह वैष्णोदेवी और खोरज फ्लाईऑवर ब्रिज का लोकार्पण भी कर सकते हैं। एसजी हाईवे पर बन रहा यह फ्लाईऑवर ब्रिज केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसदीय क्षेत्र में आता है। इससे पहले उन्होंने दो फ्लाईऑवर ब्रिज का ई लोकार्पण किया था। अब और दो फ्लाईऑवर ब्रिज के अमित शाह लोकार्पण करेंगे। फ्लाईऑवर के खुलने से गांधीनगर जाने वाले वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी और समय की बचत होगी। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान अमित शाह टीकाकरण और वृक्षारोपण कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। बता दें कि केन्द्र सरकार 21 जून से देशव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरुआत करने वाली है। इसके अंतर्गत अमित शाह अहमदाबाद के बोडकदेव स्थित टीकाकरण केन्द्र का दौरा करेंगे और लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। जिसके पश्चात शाह थलतेज में आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौध रोपण कार्यक्रम में वर्च्युअली शामिल होने वाले थे, लेकिन वह कार्यक्रम रद्द हो गया था। इसलिए अब इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

विश्व पर्यटन नक्शे पर गुजरात को स्थान दिलाएगा सीमा दर्शन प्रोजेक्टः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने भारत-पाकिस्तान की सीमा पर स्थित बनासकांठा के सीमावर्ती क्षेत्र नडाबेट पहुंचकर सीमा दर्शन प्रोजेक्ट के अंतर्गत पर्यटन विभाग की ओर से बॉर्डर टूरिज्म विकसित करने के लिए किए जा रहे विभिन्न पर्यटन विकास कार्यों का जायजा लिया। पर्यटन मंत्री जवाहर चावड़ा के साथ गुरुवार सुबह नडाबेट पहुंचे मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने नडेश्वरी माता का भावपूर्वक दर्शन और पूजा-अर्चना कर दौरे की शुरुआत की। सीमा दर्शन का यह प्रोजेक्ट कुल मिलाकर 125 करोड़ रुपए की लागत से आकार ले रहा है और इसके आगामी 15 अगस्त, 2021 से पहले पूरा होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत गुजरात पर्यटन निगम ने नडेश्वरी माता के मंदिर के निकट विसामा (विश्राम स्थल) के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। इतना ही नहीं, नडेश्वरी मंदिर से सीमा दर्शन के लिए जीरो पॉइंट तक जाने के रास्ते पर 'टी' जंक्शन के पास यात्री सुविधा के विभिन्न कार्य अलग-अलग चार चरणों में प्रगति पर हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

योगी ने एससी, एसटी आयोग के सदस्यों और अध्यक्ष की नियुक्ति की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने आखिरकार पार्टी कार्यकताओं को ईनाम देना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने बुधवार को भाजपा के पूर्व विधायक रामबाबू हरित को राज्य एससी, एसटी आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। नवंबर 2019 में पिछले प्रमुख बृजलाल की सेवानिवृत्ति के बाद से आयोग बिना मुखिया के था। सरकार ने मिथिलेश कुमार और राम नरेश पासवान को आयोग का उपाध्यक्ष नयुक्त किया और 15 सदस्य भी नियुक्त किए हैं। आयोग के मनोनीत सदस्यों में साध्वी गीता प्रधान, ओम प्रकाश नायक, रमेश तूफानी, राम सिंह वाल्मीकि, कमलेश पासी, शेषनाथ आचार्य, तीजा राम, अनीता सिद्धार्थ, राम असरी दिवाकर, श्याम अहेरिया, मनोज सोनकर, श्रवण गोंड अमरेश चंद्र चेरो, किशन लाल सुदर्शन और केके राज शामिल हैं। पदाधिकारी और सदस्य नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, तब तक कार्यभार संभालेंगे।

केरल : 50 दिन बाद खुलीं शराब की दुकानें, लंबी कतारों में दिखे लोग

तिरुवनंतपुरम। केरल में लॉकडाउन में ढील दिए जाने के पहले ही दिन शराब की दुकानों के बाहर लोगों में काफी उत्साह देखा गया। गुरुवार सुबह से ही लोगों ने दुकानों के आगे भीड़ लगाना शुरू कर दिया। यहां राज्य द्वारा संचालित बेवको के 301 आउटलेट के माध्यम से शराब की बिक्री होगी। इसके अलावा, 576 बार और 291 वाइन शॉप को भी बिक्री की अनुमति दी गई है। यहां रिटेल आउटलेट्स टेक अवे के लिए सुबह नौ बजे से लेकर 11 बजे तक खुले रहेंगे। 26 अप्रैल को अचानक से यह फैसला आया था कि अगली सूचना तक शराब की कोई भी दुकान नहीं खोली जाएगी। इससे लोगों में काफी गुस्सा था क्योंकि उन्हें दुकानों के बंद होने की भनक तक नहीं लगी थी। इसके बाद जब मीडिया में इस तरह की खबरें आने लगी थीं कि पिनाराई विजयन की नई सरकार शराब की होम डिलीवरी पर विचार कर सकती है, तो शराब प्रेमियों के मन में उत्साह का संचार हुआ था। लेकिन राज्य के आबकारी मंत्री एम.वी. गोविंदन ने पिछले महीने इससे इंकार कर दिया था।

दिल्ली एम्स की नौवीं मंजिल पर लगी आग, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 22 गाड़ियां

नयी दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में बुधवार रात आग लग गयी। दिल्ली दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग अस्पताल की नौवीं मंजिल पर कंवर्जेंस ब्लॉक में लगी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, घटना की सूचना रात करीब 10:30 बजे मिली और तुरंत 22 दमकल गाड़ियों को मौके पर रवाना कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने का काम जारी है। आग लगने की वजह का अभी तक पता नहीं चला है।

गृहमंत्रालय ने टीएमसी नेता मुकुल रॉय की वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा ली वापस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बीजेपी छोड़ वापस तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए मुकुल रॉय की वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रॉय के बेटे सुभ्रांशु की सीआईएसएफ की सुरक्षा भी पिछले हफ्ते वापस ले ली गई थी। रॉय के गृह मंत्रालय (एमएचए) को लिखित अनुरोध के बाद सुरक्षा वापसी ली गई है। टीएमसी नेता ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह टीएमसी में फिर से शामिल होने के तुरंत बाद अपनी सुरक्षा वापस ले लें। दो व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) और पांच सशस्त्र गार्ड रॉय को चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान कर रहे थे क्योंकि उन्हें खतरे के आकलन के आधार पर वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को रॉय की सुरक्षा वापस लेने का आदेश जारी किया। हालांकि, रॉय ने पहले कोलकाता में मीडिया से कहा था कि वह पहले ही सीआरपीएफ कर्मियों को अपनी सुरक्षा से मुक्त कर चुके हैं। लेकिन सीआरपीएफ मुख्यालय ने कहा कि जवान अभी भी ड्यूटी पर हैं।

हरपुर बुदहट क्षेत्र से दो नाबालिक बच्चे खेलते समय लापता

गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना अंतर्गत दो छोटे-छोटे बच्चे खेलते समय हुए लापता हो गए है। बच्चों को खोजने के लिए एसएसपी एसपी दक्षिणी सीओ सहित संबंधित अधिकारी पहुंचे है। जिले से एक बार फिर दो बच्चों के अचानक लापता हो जाने का मामला सामने आया है। हरपुर बुदहट इलाके के कटशहरा निवासी इंद्रबहादुर के दो बच्चे सुंदरी (10) और लक्कुश (5) अचानक गायब हो गए है। काफी देर तक बच्चों के घर न आने से परिजन परेशान होकर इधर-उधर ढूंढने का भरसक प्रयास किया। थक हार कर परिजनों ने मंगलवार शाम को पुलिस को बच्चों के लापता होने की सूचना दी। हरपुर बुदहट थानाध्यक्ष ने वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया। बच्चों के लापता होने की सूचना प्राप्त होते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार, पी पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरुण कुमार सिंह अन्य संबंधित के साथ कटशहरा गांव पहुंचकर नाबालिक बच्चों को गली मोहल्ले घर सहित तालाब नाला तलाश करते हुये बच्चों की तलाश के लिए टीमें गठित कर पुलिस व एनडीआरएफ की टीम को लगा दी। एसएसपी ने बताया कि घर वालों ने कहा कि बच्चों की मां 6 माह पूर्व घर से चली गई है। उसी के द्वारा बच्चों को बहला फुसला कर अपने या अपने किसी रिश्तेदार के द्वारा बच्चों को ले जाने की बात कही जा रही है। मुकदमा पंजीकृत कर बच्चों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है।

पायलट 6 दिन दिल्ली में रहे पर नहीं हो पाई राहुल-प्रियंका से मुलाकात, गहलोत का नंबर गेम पड़ रहा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजस्थान कांग्रेस में चल रही सियासी बवाल के बीच के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट 6 दिन दिल्ली में रहने के बाद आखिरकार जयपुर लौट गए हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि सचिन पायलट 6 दिन दिल्ली में रहे परंतु हाईकमान से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई। माना जा रहा था कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से सचिन पायलट की मुलाकात नहीं हुई। दावा यह भी किया जा रहा था कि प्रियंका गांधी के बुलाने पर ही सचिन पायलट दिल्ली पहुंचे थे। पायलट पिछले सप्ताह शुक्रवार शाम को ही दिल्ली पहुंच गए थे। पायलट भले ही दिल्ली में थे परंतु उनके समर्थक विधायक और अशोक गहलोत खेमे के विधायकों के बीच तीखी बयानबाजी का दौर लगातार जारी था।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सचिन पायलट 6 दिन दिल्ली में रहे परंतु आलाकमान से उनकी मुलाकात क्यों नहीं हो पाई? आलाकमान आखिर सचिन से मुलाकात को लेकर उत्सुकता क्यों नहीं दिखा रहा है? क्या आलाकमान को इस बात की फिक्र नहीं है कि अगर सचिन की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वह भी ज्योतिरादित्य सिंधिया या जितिन प्रसाद की तरह दूसरे पार्टी में जा सकते हैं? फिलहाल

पूरे सियासी बवाल के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट चुप हैं। समर्थक आमने-सामने है। सचिन पायलट के जयपुर जाते ही अब पूरा का पूरा हलचल राजधानी जयपुर शिफ्ट हो गया है।

सूत्र यह दावा कर रहे हैं कि गांधी परिवार से किसी ने भी अब तक सचिन पायलट से उस तरीके से संपर्क करने की कोशिश नहीं की है जैसा कि वह उम्मीद कर रहे थे। हां, अजय माकन ने जरूर कहा है कि सचिन नाराज नहीं है, सब कुछ ठीक हो जाएगा और वह कांग्रेस में ही रहेंगे। सचिन के दिल्ली दौरे के दौरान माना जा रहा था कि जिस तरह से पंजाब की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है वैसे ही राजस्थान में भी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा। लेकिन मुलाकात नहीं हो पाई जिसकी वजह से अब ऐसा लग रहा है कि आने वाले दिनों में सचिन गुट और गहलोत गुट आमने सामने रहेंगे और जमकर बयानबाजी होगी।

इस वजह से यह विवाद लंबा खींच भी सकता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर आलाकमान खुलकर सचिन पायलट या गहलोत को समझाने की कोशिश क्यों नहीं कर रहा है? सबसे बड़ा कारण यह माना जा रहा है कि गहलोत के पास भी अपने विधायकों की संख्या है। पायलट की तुलना में गहलोत समर्थक विधायकों की संख्या कई गुना ज्यादा है। यही कारण है कि आलाकमान फिलहाल गहलोत को निर्देश देने की स्थिति में नजर नहीं आ रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नंबर गेम में बाजी मार रहे हैं और वह सचिन पायलट खेमे की मांगों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहे।

कोरोना महामारी के कारण भारत में बढ़ी गरीबी? राहुल का मोदी पर निशाना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत सहित पूरे विश्व में कोरोना महामारी का कहर जारी है। इन सबके बीच कोरोना महामारी की वजह से गरीबी बढ़ने का भी दावा किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना के कारण भारत में गरीबी सबसे ज्यादा बढ़ी है। इसी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि देश के पुनर्निर्माण की शुरूआत तब होगी जब प्रधानमंत्री अपनी गलतियों को मानेंगे और विशेषज्ञों की राय पर चलेंगे। राहुल ने एक रिपोर्ट साझा करते हुए ट्वीट किया, ''यह भारत सरकार के महामारी कुप्रबंधन का परिणाम है। परंतु अब हमें भविष्य की ओर देखना है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हमारे देश के पुनर्निर्माण की शुरुआत तब होगी जब प्रधानमंत्री अपनी गलतियां स्वीकार करेंगे और विशेषज्ञों की मदद लेंगे। नकारने की मुद्रा में बने रहने से किसी भी चीज का हल नहीं निकलेगा।'' राहुल गांधी ने जिस रिपोर्ट को साझा किया उसमें कहा गया है कि कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में गरीबी बड़े पैमाने पर बढ़ी है और इसमें भारत का सबसे अधिक योगदान है।

अपनी रसीद दिखाओ, अपना डोनेशन वापस ले लो : साक्षी महाराज

उन्नाव (उत्तर प्रदेश)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद साक्षी महाराज ने कहा है कि जो लोग राम मंदिर निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, वे रसीद दिखाकर अपना चंदा वापस ले लें। उन्होंने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि जो नेता अब आरोप लगा रहे हैं, वे वही हैं जिन्होंने पूर्व में राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं। उन्होंने कहा, उन्होंने कहा था कि वे बाबरी मस्जिद के पास एक पक्षी को भी नहीं जाने देंगे। उनके दंभ का करारा जवाब दिया गया है और राम जन्मभूमि स्थल पर एक भव्य मंदिर बन रहा है। ऐसे लोगों के पास निराधार आरोप लगाने के अलावा और कुछ नहीं है।

साक्षी महाराज ने कहा कि जहां तक चंपत राय की बात है तो उन्होंने अपना पूरा जीवन भगवान राम को समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा, ऐसे व्यक्ति पर आरोप लगाना सही नहीं है। फिर भी, यदि आप के संजय सिंह ने राम मंदिर के लिए कुछ दान किया है, तो वह रसीद दिखाकर अपना दान वापस ले सकते हैं। अखिलेश यादव ने दान दिया है, तो वह अपना दान वापस ले सकते हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने राम मंदिर का कड़ा विरोध किया था।

कर्नाटक में होगा नाटक? बीजेपी विधायक बोले- सरकार चलाने की हालत में नहीं येदियुरप्पा

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कर्नाटक में भले ही भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज कर दे, मगर सियासी हलचल देख पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नजर नहीं आता। यही वजह है कि बीजेपी महासचिव अरुण सिंह कर्नाटक में सब कुछ ठीक करने के वास्ते बेंगलुरु में डेरा डाले हुए हैं। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और बागी विधायकों के बीच जारी सियासी खींचतान से ऐसा लगने लगा है कि एक बार फिर से कर्नाटक में सियासी नाटक देखने को मिल सकता है। अब भाजपा एमएलसी एएच विश्वनाथ ने येदियुरप्पा के नेतृत्व पर सवाल उठाया है और कहा है कि वह सरकार चलाने की हालत में नहीं हैं।

भाजपा एमएलसी एएच विश्वनाथ ने कहा कि सरकार और पार्टी के बारे में जनता की राय नकारात्मक है। यह अच्छी बात नहीं है। बीजेपी महासचिव अरुण सिंह से मैंने कहा है कि येदियुरप्पा की आयु, उनका स्वास्थ्य को देखते हुए वह मुख्यमंत्री के तौर पर सरकार चलाने की हालात में नहीं हैं। उनके मार्गदर्शन में उस स्थान पर किसी और को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। सरकार में पारिवारिक दखल से चीजें और खराब होंगी। एमएलसी ने आगे कहा कि बीवाई विजयेंद्र और उनके दोस्त कह रहे थे कि हम पैसे इकट्ठा करते हैं और यह दिल्ली जाता है। यहां भी बुरा प्रचार हो रहा है। मैंने इस बारे में महासचिव (अरुण सिंह) को भी बताया है।

दरअसल, कर्नाटक भाजपा के भीतर खींचतान

को सुलझाने के वास्ते अरुण सिंह तीन दिवसीय दौरे पर बेंगलुरु आए हैं और इस दौरान वह बृहस्पतिवार को सत्ताधारी दल के विधायकों के साथ चर्चा करेंगे और शुक्रवार को प्रदेश भाजपा की कोर कमेटी को संबोधित करेंगे। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच हाल ही में अरुण सिंह ने मुख्यमंत्री को बदलने की खबरों का खंडन किया था और कहा था कि येदियुरप्पा पद पर बने रहेंगे। माना जा रहा है कि भाजपा का एक वर्ग येदियुरप्पा को पद से हटाने का दबाव बना रहा है।कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की कुर्सी को लेकर चल रही अटकलों के बीच राज्य भाजपा के प्रभारी व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा है कि पार्टी में कोई मतभेद नहीं है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में अरुण सिंह ने कहा कि 'पार्टी में कोई मतभेद नहीं है और हम एक हैं। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में बेहतरीन काम चल रहा है।'

मायावती ने फिर साधा अखिलेश यादव पर निशाना, कहा- स्थानीय नेताओं का भरोसा खो चुकी पार्टी

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुये कहा कि उस पार्टी की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि खुद उनके मुखिया मीडिया में बने रहने के लिए पूर्व विधायकों व कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल करा रहे हैं। मायावती ने ट्वीट किया, सपा की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि अब आए दिन मीडिया में बने रहने के लिए दूसरी पार्टी से निष्कासित व अपने क्षेत्र में प्रभावहीन हो चुके पूर्व विधायकों व छोटे-छोटे कार्यकर्ताओं आदि तक को भी सपा मुखिया को खुद पार्टी में शामिल कराना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि सपा मुखिया को अब अपने स्थानीय नेताओं पर भरोसा नहीं रहा है, जबकि बसपा के नेता अन्य पार्टियों के साथ-साथ

खासकर सपा के ऐसे लोगों की पूरी छानबीन करके केवल सही लोगों को पार्टी में शामिल कराते हैं। गौरतलब है कि साहिबाबाद के पूर्व विधायक और बसपा नेता अमर पाल शर्मा ने बुधवार को अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। सपा द्वारा बुधवार को जारी बयान के मुताबिक कई अन्य पार्टियों के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने भी पार्टी की सदस्यता ली है। इससे एक दिन पूर्व मंगलवार को बसपा के पांच निलंबित विधायकों ने भी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। उसके बाद से अटकलें लगने लगी हैं कि ये विधायक जल्द ही सपा में शामिल हो सकते हैं। इन निलंबित विधायकों के सपा प्रमुख से मिलने के बाद से ही बसपा सुप्रीमो मायावती ट्वीट कर सपा प्रमुख पर हमले कर रही हैं। अखिलेश से मिलने वाले निलंबित बसपा विधायकों में सुषमा पटेल (मुंगरा बादशाहपुर) ने कहा था, ''सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ 15-20 मिनट तक चली बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों पर चर्चा हुई और मुलाकात अच्छी रही।' अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर पटेल ने कहा, व्यक्तिगत रूप से, मैंने समाजवादी पार्टी में शामिल होने का मन बना लिया है। वर्तमान में 403 सदस्यीय राज्य विधानसभा में बसपा के 18 विधायक हैं। अक्टूबर 2020 में, बसपा के सात विधायकों को पार्टी अध्यक्ष मायावती ने निलंबित कर दिया था। उन पर राज्यसभा चुनाव में पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार रामजी गौतम के नामांकन का विरोध करने का आरोप लगा था।

अयोध्या में कथित भूमि घोटाले पर अदालत का रुख करेंगे आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि वह अयोध्या में राम मंदिर न्यास द्वारा खरीदी गई भूमि की प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार के मामले को अदालत में लेकर जाने की तैयारी कर रहे हैं। सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'मैंने इस भ्रष्टाचार का खुलासा करने के बाद केंद्र और भाजपा का तीन दिन तक इंतजार किया कि वह कार्रवाई करेंगे। मुझे समझ में आ गया है कि भाजपा प्रॉपर्टी डीलरों में विश्वास रखती है न कि भगवान राम में। मैं इस मामले को अदालत में लेकर जाने की तैयारी कर रहा हूं।'

सिंह ने आरोप लगाया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय ने अयोध्या के बाग बैसी गांव में 1.208 हेक्टेयर भूमि 18.5 करोड़ रुपये में खरीदी जबकि उसकी कीमत दो करोड़ रुपये है। सिंह ने कहा कि इसमें राय का साथ न्यास के सदस्य अनिल मिश्रा ने दिया। सांसद ने दावा किया कि उक्त भूमि को उन लोगों से खरीदा गया था जिन्होंने उसे कुछ मिनट पहले दो करोड़ रुपये में खरीदा था। सिंह ने इस मामले में सीबीआई और ईडी से जांच करवाने की भी मांग की। राय ने इन आरोपों का पूरी तरह खंडन किया है। सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर न्यास ने भूमि खरीद विवाद पर रविवार रात को अपना स्पष्टीकरण केंद्र सरकार को भेजा और कहा कि न्यास ने जमीन के लिए वर्तमान दर से अधिक मूल्य नहीं चुकाया।

सिंह ने मांग की है कि भाजपा और न्यास के सदस्य करोड़ों हिन्दुओं से माफी मांगें। इस बीच कथित भूमि घोटाले के विरोध में गाजियाबाद में हनुमान मंदिर पर धरने पर बैठे आम आदमी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। पार्टी के कार्यकर्ता मनोज त्यागी के अनुसार, धरने पर बैठे कार्यकर्ता हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे और उन्होंने कोविड-19 नियमों का पालन किया। पुलिस अधीक्षक (प्रथम) निपुण अग्रवाल ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार किया गया। अग्रवाल ने कहा कि उन्हें बाद में निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया।

भाजपा ने कांग्रेस पर टीकाकरण अभियान को पटरी से उतारने की कोशिश का लगाया आरोप

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर स्वदेश निर्मित कोवैक्सीन टीके में गाय के बछड़े का सीरम इस्तेमाल किए जाने का भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा कर वह टीकाकरण अभियान को पटरी से उतारने की कोशिश कर रही है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि सरकार के स्पष्टीकरण और ऐसे दावे को खारिज करने के बाद भी कांग्रेस भ्रम फैलाने का ''महापाप'' कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोवैक्सीन की संरचना के बारे में सोशल मीडिया पर यह दावा किया गया है कि कोवैक्सीन टीके में नवजात बछड़े का सीरम है। मंत्रालय ने कहा, ''ऐसे दावों में तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा गया है और गलत तरीके से पेश किया गया है।'' कांग्रेस के सोशल मीडिया टीम के एक पदाधिकारी गौतम पांधी ने एक ट्वीट में कहा, ''सरकार को लोगों की आस्था व मान्यताओं के साथ धोखा नहीं करना चाहिए। यदि कोवैक्सीन या किसर अन्य टीके में गाय के बछड़े का सीरम है तो लोगों को यह जानने का अधिकार है। टीके आज जीवनरेखा है और आस्था व मान्यताओं को किनारे कर सभी का टीकाकरण(जब भी उपलब्ध हो) होना आवश्यक है।'' इस बारे में जब कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा से एक संवाददाता सम्मेलन में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि पार्टी इस बारे में कोई बयान सरकार के स्पष्टीकरण के बाद ही देगी। कांग्रेस पर हमला करते हुए पात्रा ने कहा, ''कुछ पार्टियां, खासकर कांग्रेस टीकाकरण अभियान को पटरी से उतारना चाहती है। वह टीकाकरण के बारे में भ्रम फैलाना चाहती है। कांग्रेस ने उद्दंडता, धृष्टता और महापापकिया। जनता उसे माफ नहीं करने वाली है।'' उन्होंने दावा किया, ''कोवैक्सीन में गाय के बछड़े का सीरम नहीं मिला है और ना ही गाय का खून...यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें किसी प्रकार का अपभ्रंश नहीं है।'' पात्रा ने यह भी जानना चाहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके पुत्र राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अभी तक टीके लगवाए हैं कि नहीं और उन्हें कोवैक्सीन पर भरोसा है कि नहीं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस को टीकों को लेकर लोगों में भ्रम पैदा करने और उसके शासित राज्यों में टीकों की बर्बादी के लिए याद किया जाएगा। देश के नये सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों की जानबूझकर अवहेलना करने और उनका पालन करने में विफल रहने के लिए ट्विटर की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सर्वोपरि है और यहां व्यवसाय करने वालों को देश के नियमों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्रीय प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने इस बारे में विस्तृत बयान दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)